वार्षिक प्रतिवेदन
2018-19

सत्यमेव जयते

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
नई दिल्ली

प्रतिभा की खोज
In search of talent
कृ.वै.च.मं.

ISSN 2454-6666

वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19

अप्रैल 1, 2018 से मार्च 31, 2019

सत्यमेव जयते

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार
कृषि अनुसंधान भवन 1, पूसा, नई दिल्ली 110 012

प्रतिभा की खोज
In search of talent
कृ.वै.च.मं.
कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल
AGRICULTURAL SCIENTISTS RECRUITMENT BOARD

मुद्रण : 2019

मुख्य संरक्षक : प्रो. ए. के. मिश्रा
अध्यक्ष

संरक्षक : प्रो. (डा.) ए. के. श्रीवास्तव
सदस्य

संपादक : श्री जे. रवि
सचिव

डा. सुरेश पाल
मुख्य तकनीकी अधिकारी

प्रोडक्शन : डा. वी.के. भारती
श्री पुनीत भसीन

सहायता : श्री खूब राम
श्रीमति निकिता मौर्या

अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, कृषि अनुसंधान भवन 1, पूसा, नई दिल्ली 110012, दूरभाष संख्याः 011–25840251, 25848172, फैक्सः 011–25846311 द्वारा प्रकाशित व मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए–89/1, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, नई दिल्ली 110028 के द्वारा लेजरटाइपसेट एवं मुद्रण।

प्रस्तावना

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का यह वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना मेरा सौभाग्य है। इस प्रतिवेदन में विभिन्न अनुभागों द्वारा इस वर्ष के दौरान प्राप्त की गई प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया गया है। इस वर्ष के दौरान केन्द्रीय मंत्रिमंडल की 1 अगस्त 2018 को हुई बैठक में लिए गए निर्णय तथा जारी की गई अधिसूचना संख्या 25/सीएम/218(i) दिनांक 06.08.2018; मामला सं. 213/25/2018 (मद सं.–7) के अनुसार भारत सरकार ने चयन मंडल के पुनर्गठन को स्वीकृति प्रदान की है। यह निर्णय दिनांक 9 अगस्त 2018 के भारत सरकार के राजपत्र में औपचारिक रूप से अधिसूचित किया गया है।

परिणामस्वरूप कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से पृथक करके भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) से सम्बद्ध कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त पुनर्गठित मंडल में अब चार सदस्य होंगे जिनमें अध्यक्ष तथा तीन सदस्य शामिल हैं। मंडल के सचिव के पद को प्रौन्नत करके भारत सरकार के संयुक्त सचिव के समतुल्य कर दिया गया है तथा इसे केन्द्रीय स्टाफिंग स्कीम/केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भरा जाएगा। इसके सचिवालय में प्रशासनिक स्टाफ का अपना कैडर होगा तथा कथित कैडर पर स्वतंत्र प्रशासनिक नियंत्रण होगा। डेयर में कृ.वै.च.मं. के लिए पृथक बजट सृजित किया गया है।

वर्ष के दौरान कृषि अनुसंधान सेवा के वैज्ञानिकों की कैरियर एडवांसमेन्ट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिक से प्रधान वैज्ञानिक के ग्रेड में पदोन्नति/मूल्यांकन रूप में तैनाती के लिए 41 विषयों में 102 पस्तावों पर कार्यवाही की गई। कैरियर एडवांसमेन्ट स्कीम का सकल निष्पादन प्रभावपूर्ण रहा है जिससे संस्थागत अनुसंधान प्रणाली की आंतरिक शक्ति में सकारात्मक भावना परिलक्षित होती है। लगभग 85% प्रत्याशियों की निर्धारित तिथि से पदोन्नतियों की सिफारिश की गई तथा 10% को आस्थगित श्रेणी के अंतर्गत रखा गया है और इनकी परवर्ती वर्षों में समीक्षा की जाएगी। यह संतोषजनक है कि वर्तमान में वैज्ञानिकों के पदोन्नति संबंधी मूल्यांकन का कोई भी मामला लंबित नहीं है।

मंडल ने वर्ष के दौरान 57 अनुमोदित विषयों में दो परीक्षाएं अर्थात् नेट–2018 (I)/एआरएस–2017 (प्रारंभिक) और एक अन्य केवल नेट–2018 (II) परीक्षा, आयोजित की हैं। कुल 11,906 प्रत्याशियों ने दोनों नेट–2018 (I और II) परीक्षाओं में अर्हकता प्राप्त की है।

कृषि अनुसंधान सेवा मुख्य–परीक्षा 29 विषयों में 195 रिक्तियों के लिए 20.06.2018 को आयोजित की गई तथा 700 से अधिक प्रत्याशी मौखिक परीक्षा या साक्षात्कार के योग्य पाए गए। कुल 181 चयनित प्रत्याशियों को प्रवेश स्तर के वैज्ञानिकों के रूप में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है।

आशुलिपिक ग्रेड–III के 96 पदों, प्रवर श्रेणी लिपिक के 238 पदों और टी–1 के 527 पदों के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं तथा इनके बारे में नियुक्ति के लिए संबंधित संस्थानों को सूचित किया जा चुका है।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल श्री राधा मोहन सिंह जी, माननीय तत्कालीन अध्यक्ष, भा.कृ.अ.प. सोसायटी तथा केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री; माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रियों नामतः श्री परषोत्तम रुपाला जी, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जी और श्रीमती कृष्णा राज जी का उनके निरंतर

प्रोत्साहन और दूरदर्शी मार्गदर्शन के लिए ऋणी है। डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, भा.कृ.अ.प.; श्री सी. राउल, पूर्व विशेष सचिव, डेयर तथा सचिव, भा.कृ.अ.प. और श्री एस.एन. त्रिपाठी, तत्कालीन अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, भा.कृ.अ.प./डेयर; श्री सुशील कुमार, अपर सचिव (डेयर) तथा सचिव, भा.कृ.अ.प. और श्री बिम्बाधर प्रधान, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार (डेयर/आईसीएआर) द्वारा कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की सभी गतिविधियों में प्रदान की जाने वाली सहायता के प्रति आभारी है तथा उनके इस योगदान का आभार ज्ञापित करते हुए उसकी सराहना करता है।

मैं कृ.वै.च.मं. में अपने साथी प्रो. (डॉ.) ए. के. श्रीवास्तव तथा अन्य अधिकारियों व स्टाफ सदस्यों का उपरोक्त गतिविधियों को सफलतापूर्वक पूरा करने में योगदान तथा उनके द्वारा की गई सहायता के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूं।

अंततः मैं डॉ. एस.के. सिंह, निदेशक, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय, भा.कृ.अ.प.; डॉ. वी.के. भारती, मुख्य प्रोडक्शन अधिकारी और श्री पुनीत भसीन, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, डीकेएमए का यह प्रतिवेदन समय पर प्रकाशित करने में सहायता प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

(प्रो. ए.के. मिश्रा)
अध्यक्ष, कृ.वै.च. मंडल

विषय सूची

	प्रस्तावना	*iii*
	कार्यकारी सारांश	*vii*
1.	प्रस्तावना	1
2.	राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)	6
3.	परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियां	8
4.	सीधी भर्ती	10
5.	अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की नियुक्तियां	11
6.	वैज्ञानिकों का मूल्यांकन : कैरियर एडवांसमैंट स्कीम	12
7.	सुधार	13
8.	सूचना का अधिकार अधिनियम – 2005 एवं सी.पी.जी.आर.ए.एम.एस.	15
9.	हिन्दी (राजभाषा) को बढ़ावा	17
10.	महिला सशक्तिकरण	21
11.	विविध	22
12.	सम्मान/पुरस्कार	23

परिशिष्ट

I.	2018.19 के दौरान कृ.वै.च.म. की प्राप्तियां एवं व्यय	26
II.	पिछले पांच वर्षों में बोर्ड के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण	27
III(क).	नेट 2018 (I) में विषयवस्तुवार उम्मीदवारों का विवरण	28
III(ख).	नेट 2018 (II) में विषयवस्तुवार उम्मीदवारों का विवरण	30
III(ग).	कृषि अनुसंधान सेवा 2017 परीक्षा में विषयवस्तुवार उम्मीदवारों का विवरण	32
IV.	वर्ष 2018.19 के दौरान भा.कृ.अनु.प के संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत मूल्यांकन के मामले	33
V.	संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2018–19) का गठन किया गया	35
VI.	संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2018–19) का गठन किया गया	37
VII.	वर्ष 2018–19 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की संख्या	39
VIII.	कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवानिवृत्तियां आदि)	40
IX.	दिनांक 31.03.2019 के अनुसार मंडल में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची	43

कार्यकारी सारांश

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का सदैव यह प्रयास रहा है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को पहचानकर उसकी अनुशंसा की जाए। इस वार्षिक प्रतिवेदन 2018–19 की अवधि कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पुनर्गठन की दृष्टि से विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

इस अवधि के दौरान मंडल ने तीन विज्ञापनों में 136 पद विज्ञापित किए। इनमें से 4 पद परियोजना समन्वयकों के, 101 पद प्रभागाध्यक्षों/क्षेत्रीय केन्द्रों के अध्यक्षों के तथा शेष 31 पद अनुसंधान प्रबंध पदों अर्थात् उप महानिदेशक (3), राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक (3), सहायक महानिदेशक (1), निदेशक (21), राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक (1) तथा परियोजना निदेशकों (2) के थे।

अनुसंधान प्रबंध पदों के लिए विज्ञापित 136 पदों में से निदेशकों के 11 पद प्रशासनिक कारणों से वापस ले लिए गए। मंडल के विज्ञापन सं. 01/2017, 04/2018 तथा 05/2018 द्वारा विज्ञापित प्रभागाध्यक्षों/क्षेत्रीय केन्द्रों के अध्यक्षों और परियोजना समन्वयकों के अन्य सभी पद तब तक के लिए आस्थगित कर दिए गए हैं जब तक भा.कृ.अ.प. से अगले दिशानिर्देश प्राप्त नहीं हो जाते हैं। ऐसा परिषद के पत्र सं. 95(4)/2018–कार्मिक–III दिनांक 19.11.2018 के पत्र के आधार पर किया गया है।

संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिकों से प्रधान वैज्ञानिकों के ग्रेड में पदोन्नति के लिए 41 विषयों में 102 प्रस्तावों पर विचार किया गया। पाँच विषय नामतः जलजंतुपालन, मत्स्य तथा मात्स्यिकी विज्ञान, पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन और कृषि भौतिकी को छोड़कर सभी विषयों के उम्मीदवारों ने पदोन्नति प्राप्त की।

कृषि अनुसंधान सेवा–2017 (प्राथमिक) और नेट–2018 (I) की संयुक्त परीक्षा भारत के कुल 23 केन्द्रों में 29 विषयों में 195 रिक्तियों के लिए 6–10 अप्रैल 2018 को ऑन–लाइन मोड में ली गई। कुल 28,257 प्रत्याशियों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था, जबकि 21,006 प्रत्याशी परीक्षा में शामिल हुए। एआरएस (मुख्य) परीक्षा के लिए कुल 2,555 प्रत्याशी (12.2%) उतीर्ण हुए। भारत के 12 केन्द्रों में 24 जून 2018 को आयोजित मुख्य परीक्षा में 2293 (89.74%) प्रत्याशी वास्तव में उपस्थित हुए तथा श्रेष्ठता सूची के आधार पर 708 प्रत्याशियों को मौखिक परीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया।

वर्ष के दौरान देश के 34 केन्द्रों में 57 विषयों की 6–10 अप्रैल 2018 और 27–29 दिसम्बर 2018 को दो नेट परीक्षाएं आयोजित की गईं। प्रथम परीक्षा नेट 2018 (I) तथा एआरएस (प्रारंभिक) 2017 के लिए थी तथा दूसरी केवल नेट 2018 (II) की थी। प्रथम नेट परीक्षा में 59,960 प्रत्याशियों ने पंजीकरण कराया था, जबकि दूसरी नेट परीक्षा के लिए 41,778 प्रत्याशियों ने पंजीकरण कराया था। दोनों परीक्षाओं में क्रमशः 44,962 और 31,233 प्रत्याशी वास्तव में शामिल हुए। प्रथम नेट परीक्षा में 7,771 (17.28%) प्रत्याशी उत्तीर्ण हुए जबकि दूसरी नेट परीक्षा में 4135 प्रत्याशी (13.24%) उत्तीर्ण हुए।

प्रो. (डॉ.) ए.के. श्रीवास्तव तथा कृ.वै.च.मं. के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, श्री राधा मोहन सिंह, माननीय अध्यक्ष, भा.कृ.अ.प. तथा केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को वर्ष 2017–18 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए।

भा.कृ.अ.प. के संस्थानों में तकनीशियन (टी1) के पदों हेतु भर्ती के लिए पूरे भारत के 27 केन्द्रों में 1 जुलाई 2018 को ऑन लाइन मोड में एक सामान्य लिखित परीक्षा आयोजित की गई। कुल 11,797 प्रत्याशियों ने इस परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था और कुल 9204 प्रत्याशी वास्तव में इस परीक्षा में उपस्थित हुए। टी–1 पद के लिए चुने गए 527 प्रत्याशियों के परिणाम

संबंधित संस्थानों को सूचित किए जा चुके हैं।

अवर श्रेणी लिपिक परीक्षा में शामिल हुए 8,128 प्रत्याशियों में से 1037 प्रत्याशी कौशल टंकण परीक्षा में शामिल होने के लिए अनंतिम रूप से योग्य घोषित किए गए। दिनांक 8 सितम्बर 2018 को आयोजित योग्यता कौशल परीक्षण के आधार पर 340 आवेदकों को भा.कृ.अ.प. के 65 संस्थानों में अवर श्रेणी लिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए योग्य घोषित किया गया।

आशुलिपिक ग्रेड–3 पद के लिए परीक्षा में शामिल हुए 48,915 प्रत्याशियों में से 1936 प्रत्याशी कौशल परीक्षा में शामिल होने के लिए अनंतिम रूप से योग्य घोषित किए गए । दिनांक 29.10.2018–02.11.2018 को आयोजित योग्यता कौशल परीक्षा के आधार पर 96 पदों के परिणाम 48 संबंधित संस्थानों/कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा भा.कृ.अ.प. मुख्यालय को सूचित किए जा चुके हैं ताकि आशुलिपिक ग्रेड–3 पद पर इनकी नियुक्ति की जा सके।

वास्तव में पारदर्शिता किसी भी संगठन की कार्यप्रणाली की कसौटी है। यह विशेष रूप से कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल जैसे राष्ट्रीय स्तर के स्वतंत्र भर्ती निकाय के मामले में और भी सटीक ढंग से लागू होता है। चाहे प्रत्याशियों की कार्यपद्धति की समीक्षा करनी हो या साक्षात्कार हो या परीक्षा प्रक्रिया हो अथवा परामर्शकों, परीक्षकों, प्रश्न–पत्र तैयार करने वालों/मूल्यांकनों आदि का पैनल तैयार किया जाना हो, मंडल को आंतरिक संवीक्षा के प्रति सचेत रहना होता है तथा सभी स्तरों पर पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उद्देश्यपरक जांच बिंदु निर्धारित करने होते हैं।

कार्य प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस अवधि के दौरान केन्द्रीकृत लोक शिकायत निपटान एवं निवारण प्रणाली और सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अंतर्गत मांगी गई सभी सूचना के संबंध में उदाहरण स्थापित करते हुए तत्काल सूचना उपलब्ध कराई है। चाहे यह आरटीआई का मामला हो/कोई शिकायत हो या कृ.वै.च.मं. के शामिल होने से संबंधित विभिन्न न्यायालयों में चल रहा कोई मुकदमा हो, ऐसा कोई भी अवसर नहीं आया है जहां कोई आलोचना या विपरीत टिप्पणी की गई हो अथवा कोई प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला गया हो या पर्यवेक्षण किया गया हो। इस अवधि के दौरान मंडल के किसी भी निर्णय के बारे में कोई प्रतिकूल टिप्पणी/निष्कर्ष या पर्यवेक्षण नहीं हुआ है।

इसी प्रकार, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के संदर्भ में भी इस अवधि के दौरान कार्यान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रत्याशियों को साक्षात्कार में हिन्दी में उत्तर देने के विकल्प के साथ–साथ राजभाषा के उपयोग से संबंधित सभी संभावित सहायता और सुविधाएं प्रदान की गई हैं। अधिकारियों तथा स्टाफ सदस्यों और विशेषज्ञों/परामर्शकों/प्रश्न–पत्र तैयार करने वालों/मूल्यांकनकर्ताओं सहित आगंतुकों के साथ–साथ मंडल के अधिकारियों व स्टाफ के लाभ के लिए कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पुस्तकालय में हिन्दी के विभिन्न क्षेत्रों में सर्वाधिक संख्या में संभावित पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। ऑन–लाइन इनपुट और नियमित डिजिटलीकरण के माध्यम से प्रत्येक विषय में प्रश्न बैंक को नियमित रूप से अद्यतन करने, उन्नत बनाने और विस्तृत करने और परामर्शक/विशेषज्ञ डेटाबेस तैयार करने के लिए इस अवधि के दौरान विशेष अभियान चलाया गया।

रिपोर्ट अवधि के दौरान कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने केवल परीक्षा/आवेदन शुल्क के माध्यम से ही 191.88 लाख रुपये से अधिक की रिकॉर्ड राशि प्राप्त की है। यह इस तथ्य का संकेत है कि जनशक्ति की गहन कमी के बावजूद मंडल में भारी मात्रा में कार्य सम्पन्न किया गया। चूंकि अत्यधिक जवाबदेही संबंधी पहलुओं के कारण मुख्य भर्ती संबंधी कार्यों को निविदा पर नियुक्त किए गए स्टाफ पर नहीं छोड़ा जा सकता है, अतः कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में विशेष रूप से सहायकों जैसे कार्यशील स्तरों पर नियमित पर्याप्त जनशक्ति उपलब्ध कराने के लिए उच्च प्राथमिकता के आधार पर कुछ न कुछ किए जाने की आवश्यकता है।

स्वतंत्र कार्यालय भवन का न होना मंडल की कार्य प्रणाली के मार्ग में आने वाली एक अन्य बाधा है। ऐसी आशा है कि कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का कार्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान परिसर में इस उद्देश्य के लिए उपलब्ध कराए गए 2.05 एकड़ की भूमि पर बने अपने कार्यालय भवन में 2021 तक चला जाएगा। मंडल ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को यह कार्य सौंप दिया है जो संबंधित विनिमायक प्राधिकारियों से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण–पत्र प्राप्त कर रहा है।

प्रस्तावना

01

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लिए एक स्वतंत्र निकाय कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की स्थापना भारत सरकार द्वारा 1973 में की गई थी जिसके संस्थापक अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. एम.एल. सहारे थे।

अब भारत सरकार ने 1 अगस्त 2018 को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जारी अधिसूचना सं. 25/सीएम/2018(i) दिनांक 06.08.2018; मामला सं. 213/25/2018 (मद सं.–7) द्वारा लिए गए एक निर्णय में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय को 9 अगस्त 2018 को औपचारिक रूप से भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है।

परिणामस्वरूप कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (एएसआरबी) को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से पृथक करके भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) से सम्बद्ध कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त पुनर्गठित मंडल में अब चार सदस्य होंगे जिनमें अध्यक्ष तथा तीन सदस्य शामिल हैं। मंडल के सचिव के पद को प्रौन्नत करके भारत सरकार के संयुक्त सचिव के समतुल्य कर दिया गया है तथा इसे केन्द्रीय स्टाफिंग स्कीम/केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भरा जाएगा। इसके सचिवालय में प्रशासनिक स्टाफ का अपना कैडर होगा तथा कथित कैडर पर स्वतंत्र प्रशासनिक नियंत्रण होगा। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग में कृ.वै.च.मं. के लिए पृथक बजट सृजित किया गया है।

अधिदेश के अनुसार कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल भा.कृ.अ.प. मुख्यालय तथा देशभर में मौजूद इसके अनुसंधान संस्थानों के लिए सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाले वैज्ञानिकों तथा अन्य प्रबंधन वैज्ञानिकों की भर्ती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त मंडल परिषद को मानव संसाधन विकास से संबंधित नीतियों को विकसित करने व उन्हें लागू करने तथा कृषि अनुसंधान सेवा या एआरएस वैज्ञानिकों के लिए वृत्ति प्रगत योजनाओं से संबंधित नीतियां विकसित और लागू करने में मुख्य भूमिका निभाता है। अब से लगभग 45 वर्ष पूर्व के अपने स्थापना काल से कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल प्रतिभा–खोज कार्यनीतियों को सुधारने तथा परिशोधित करने की दिशा में प्रयासरत है, ताकि राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रणाली की उभरती हुई तथा विद्यमान आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

अधिदेश

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का अधिदेश भा.कृ.अ.प. तथा देशभर में मौजूद इसके संस्थानों में विभिन्न पदों के लिए सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन उपलब्ध कराना है। मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार आरंभ में मंडल को निम्नलिखित उत्तरदायित्व सौंपे गए थे।

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) के विभिन्न पदों तथा समय–समय पर अध्यक्ष, भा.कृ.अ.प. द्वारा विशिष्टीकृत पदों एवं सेवाओं पर नियुक्ति करना।
- अध्यक्ष, भा.कृ.अ.प. द्वारा अपेक्षित पदोन्नतियों सहित कार्मिक मामलों में परिषद को सहायता प्रदान करना।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के माध्यम से भर्ती किए गए कार्मिकों के अनुशासन संबंधित मामलों में परिषद को परामर्श देना और मंडल के परामर्श से परिषद द्वारा कार्मिकों की नियुक्ति।
- उपरोक्त के परिणामस्वरूप एआरएस के अखिल भारतीय सेवा के रूप में सृजित होने के पश्चात् मंडल को निम्नलिखित उत्तरदायित्व और सौंपे गए।
- अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से एआरएस के वैज्ञानिकों की प्रवेश स्तर पर भर्ती करना।
- भा.कृ.अ.प. के विद्यमान वैज्ञानिकों को एआरएस के आरंभिक गठन के पश्चात् एआरएस में इंडक्ट करना।
- मेरिट प्रमोशन तथा एआरएस के अन्य वैज्ञानिकों को अग्रिम वेतनवृद्धि दिए जाने के लिए उनका मूल्यांकन करना।

इसके अतिरिक्त कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को अन्य तकनीकी सेवा संबंधी पदों और इसके साथ–साथ प्रशासनिक एवं लेखा प्रबंध संबंधी पदों जैसे प्रशासनिक अधिकारियों/वित्त एवं लेखा अधिकारियों, सहायक निदेशक (राजभाषा) की भर्ती का कार्य भी सौंपा गया है।

मंडल 57 अनुमोदित विषयों में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा सम्पन्न कराता है जिसे उत्तीर्ण करना राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक/व्याख्याता के रूप में आरंभिक नियुक्ति की पूर्व शर्त है।

संगठन

मंडल में अध्यक्ष तथा तीन सदस्य हैं जिन्हें सचिव की सहायता प्राप्त होती है। अपने उत्तरदायित्वों का प्रभावी रूप से निर्वाह करने के लिए मंडल में परीक्षा नियंत्रक, पांच उप सचिवों/उप निदेशक वित्त और इसके साथ–साथ वित्तीय, प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्मिकों की सहायता भी उपलब्ध है।

31 मार्च 2019 को मंडल के अधिकारियों तथा स्टाफ की कुल स्वीकृत संख्या 84 थी (परिशिष्ट IX)। इस संख्या के होते हुए भी केवल 40 नियमित कर्मचारी तैनात थे। 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 की अवधि के दौरान अपने पदों पर तैनात मंडल के अधिकारियों तथा स्टाफ की सूची परिशिष्ट–IX में दी गई।

व्यय

1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 की अवधि के दौरान मंडल द्वारा 1329.14 लाख रुपये की राशि व्यय की गई।

गतिविधियां

अधिदेशित कार्यों को सम्पन्न करने के लिए मंडल द्वारा अनेक गतिविधियां चलाई गईं। इन गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा तथा पिछले 5 वर्षों के दौरान पूरी की गई गतिविधियों का विवरण परिशिष्ट II में दिया गया है।

रिपोर्ट अवधि के दौरान परिषद को अनुशासनिक मामलों में परामर्श, नियम II (5) जिसे नियम 15 (5) के साथ पढ़ा जाना है, के अंतर्गत अस्थायी नियुक्ति अथवा सेवा मामलों से संबंधित किसी भी अन्य मुद्दे के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से कोई भी संदर्भ प्राप्त नहीं हुआ।

पुनर्गठित कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का संगठनात्मक ढांचा

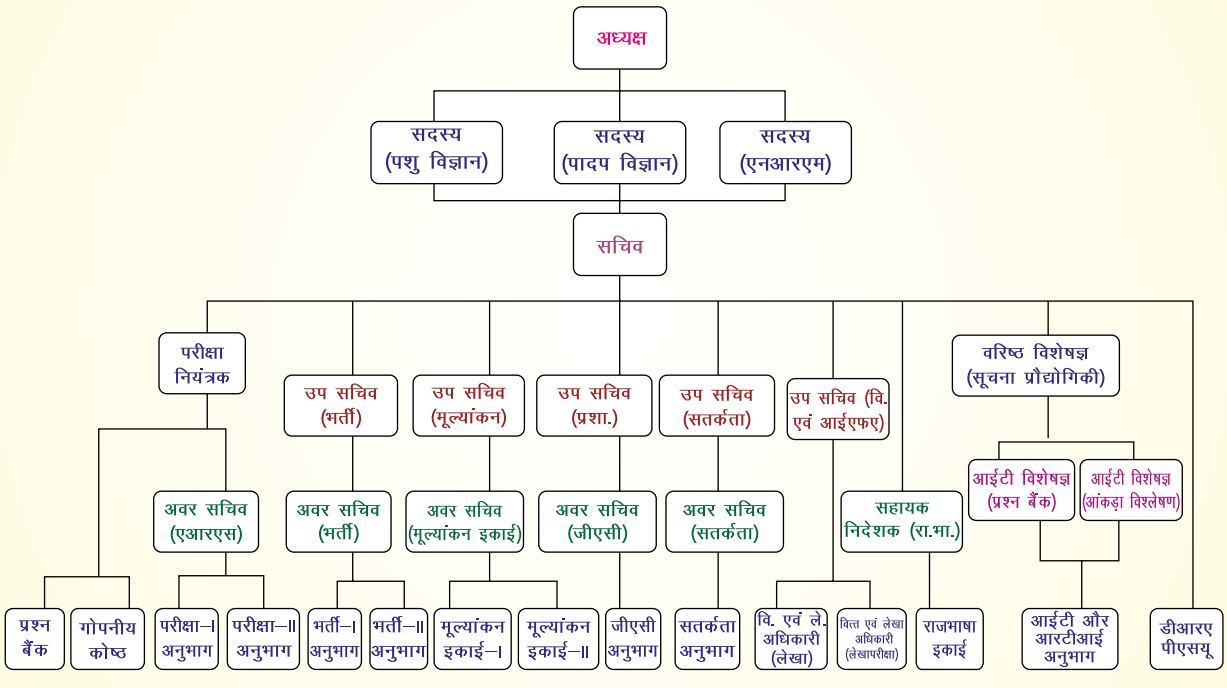

वर्ष 2018-19 के दौरान सम्पन्न गतिविधियों का सारांश

	गतिविधियां	संख्या
I.	**साक्षात्कारों द्वारा भर्ती (सीधी भर्ती)**	
	◆ वे पद जिन पर भर्ती पिछले वर्षों से लंबित थी	28
	◆ वे पद जिनके लिए वर्तमान वर्ष के दौरान मांग प्राप्त हुई थी	31
	◆ भा.कृ.अ.प. द्वारा वापस लिए गए पद	11
	◆ वे पद जिन पर भर्ती का कार्य पूरा हो चुका है	00
	◆ विभिन्न पदों के लिए प्राप्त आवेदन	1366
	◆ साक्षात्कार के लिए बुलाए गए प्रत्याशी	0
	◆ वे प्रत्याशी जिनका साक्षात्कार लिया गया	0
	◆ नियुक्ति के लिए अनुशंसित प्रत्याशी	0
	◆ वे मामले जहां कोई भी प्रत्याशी नियुक्ति के योग्य नहीं पाया गया	0
	◆ वे मामले जिनमें कोई भी प्रत्याशी साक्षात्कार के लिए उपस्थित नहीं था।	0
	◆ वर्ष के दौरान विज्ञापित विभिन्न पदों के लिए छांटे गए आवेदन	0
	◆ वे पद जिन पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है	164
	◆ विज्ञापित पदों की संख्या	136
II.	**परीक्षाओं द्वारा भर्ती**	
(i)	**प्रवेश स्तर के वैज्ञानिकों के लिए आयोजित एआरएस परीक्षा, 2017**	
	◆ एआरएस प्रारंभिक परीक्षा के लिए पंजीकरण आवेदकों की संख्या	28,257
	◆ एआरएस प्रारंभिक परीक्षा में उपस्थित होने वाले प्रत्याशियों की संख्या	21,006
	◆ एआरएस मुख्य परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले प्रत्याशियों की संख्या	2,555
	◆ एआरएस मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने वाले प्रत्याशियों की संख्या	2293
	◆ मौखिक परीक्षा के लिए पात्र प्रत्याशियों की संख्या	708
(ii)	**नेट प्रमाण पत्र के लिए आयोजित नेट परीक्षा–2018 (I)**	
	◆ नेट के लिए पंजीकृत आवेदकों की संख्या	59,960
	◆ नेट परीक्षा में उपस्थित होने वाले प्रत्याशियों की संख्या	44,962
	◆ नेट प्रमाण–पत्र के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले प्रत्याशियों की संख्या	7,771
	नेट प्रमाण पत्र के लिए आयोजित नेट परीक्षा–2018 (II)	
	◆ नेट के लिए पंजीकृत आवेदकों की संख्या	41,778
	◆ नेट परीक्षा में उपस्थित होने वाले प्रत्याशियों की संख्या	31,233
	◆ नेट प्रमाण–पत्र के लिए अर्हता प्राप्त करने वाले प्रत्याशियों की संख्या	4135
(iii)	**भा.कृ.अ.प. मुख्यालय के लिए अवर श्रेणी लिपिक तथा भा.कृ.अ.प. मुख्यालय, भा.कृ.अ.प. के संस्थानों व कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिए आशुलिपिक ग्रेड–III परीक्षा 2017**	
	◆ अवर श्रेणी लिपिक पद	वापस लिए गए
	◆ भरे गए आशुलिपिक ग्रेड–III पद	93
(iv)	**भा.कृ.अ.प. संस्थानों के लिए अवर श्रेणी लिपिक (सीधी भर्ती) परीक्षा 2016**	
	◆ भरे गए पद	238

	गतिविधियां	संख्या
(v)	**उच्च श्रेणी लिपिक (यूडीसी) के लिए सीमित विभागीय परीक्षा**	
	◆ पदों की संख्या	7
	◆ आवेदन करने वाले प्रत्याशियों की संख्या	3
	◆ परीक्षा में उपस्थित होने वाले प्रत्याशियों की संख्या	1
	◆ भरे गए पद	1
(vi)	**टी–1 परीक्षा**	
	◆ आवेदन करने वाले प्रत्याशियों की संख्या	11,797
	◆ परीक्षा में उपस्थित होने वाले प्रत्याशियों की संख्या	9,204
	◆ भरे गए पद	527
III.	**मूल्यांकन तथा मूल्यांकन के लिए समीक्षा**	
	मूल्यांकन	
	◆ संशोधित केरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत प्रधान वैज्ञानिक ग्रेड के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिकों का मूल्यांकन	102
	मूल्यांकनों की समीक्षा	1

महत्वपूर्ण कार्यक्रम

स्वच्छता ही सेवा

इस वर्ष के दौरान कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा कृषि अनुसंधान भवन–I में 15 सितम्बर 2018 से 2 अक्तूबर 2018 तक 'स्वच्छता ही सेवा' सप्ताह मनाया गया। सभी कर्मचारियों ने 'स्वच्छता' की शपथ ली। इसके पश्चात् 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के एक अंग के रूप में संविदा स्टाफ सहित कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के सभी स्टाफ सदस्यों/अधिकारियों ने कृषि अनुसंधान भवन–I के चारों ओर सफाई की। सभी स्टाफ सदस्य/अधिकारी स्वच्छता को अपनाते रहे हैं तथा पूरे वर्षभर कार्यालय परिसर में स्वच्छ तथा साफ वातावरण सुनिश्चित करते आ रहे हैं।

कृषि अनुसंधान भवन–I में 'स्वच्छता अभियान'

सदभावना दिवस

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की जयंती के उपलक्ष में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के सभी अधिकारियों व स्टाफ सदस्यों व भा.कृ.अ.प. के अन्य प्रभागों, कैब–I व कैब–II के कार्मिकों ने 20 अगस्त 2018 को 'सदभावना दिवस' शपथ ली।

राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के सभी अधिकारियों व स्टाफ सदस्यों व भा.कृ.अ.प. के अन्य प्रभागों, कैब–I व कैब–II के कार्मिकों ने 31 अक्तूबर 2018 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' शपथ ली।

राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुपालन में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में 29 अक्तूबर– 3 नवम्बर 2018 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह अति उत्साह एवं सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित किया गया। इस वर्ष के मुख्य विषय–''भ्रष्टाचार उन्मूलन–नए भारत का निर्माण'' के प्रचार–प्रसार के लिए अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं।

सप्ताह का शुभारंभ कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष डॉ. ए. के. श्रीवास्तव द्वारा कृषि अनुसंधान भवन–I और II के सभी अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर हुआ।

इस सप्ताह के दौरान अनेक गतिविधियां आयोजित की गईं जो इस वर्ष के मुख्य विषय से संबंधित थीं। ये गतिविधियां–काव्य पाठ प्रतियोगिता, निबंध लेखन तथा पोस्टर तैयार करने की प्रतियोगिता थीं। सभी कर्मचारियों ने इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) 2018 (I) और (II)

नेट राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि संकाय युक्त अन्य सामान्य विश्वविद्यालयों में व्याख्याताओं/सहायक प्राध्यापक के पद पर भर्ती के लिए पात्रता निर्धारित करने की एक पूर्व अर्हता है। वर्ष के दौरान देशभर में मौजूद 34 केन्द्रों में कुल 57 विषयों में ऑन लाइन मोड में दो नेट परीक्षाएं आयोजित की गईं जो क्रमशः 6–10 अप्रैल 2018 व 27–29 दिसम्बर 2018 को आयोजित हुई थीं। जबकि नेट 2018 (II) तथा एआरएस (प्रारंभिक) 2017 के लिए एक सम्मिलित परीक्षा आयोजित की गई और दूसरी केवल नेट 2018 (II) के लिए आयोजित की गई थी। प्रथम नेट परीक्षा में 59,960 प्रत्याशी पंजीकृत हुए थे, जबकि दूसरी नेट परीक्षा के लिए 41,778 प्रत्याशी पंजीकृत हुए। इनमें से इन दोनों परीक्षाओं में वास्तव में क्रमशः 44,962 और 31,233 प्रत्याशी उपस्थित हुए। प्रथम नेट परीक्षा में 7,771 (17.28%) प्रत्याशी योग्य पाए गए, जबकि दूसरी नेट परीक्षा में 4135 (13.24%) प्रत्याशी ही अर्हता प्राप्त कर सके।

दोनों परीक्षाओं में योग्यता प्राप्त प्रत्याशियों का सर्वोच्च प्रतिशत कुक्कुट विज्ञान विषय में था (63.78%) जिसके पश्चात् क्रमशः पशु चिकित्सा शरीररचना विज्ञान (54.55%), पशु पोषण (50.36%), मत्स्य आनुवंशिकी एवं प्रजनन (48.05%), पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन (45.36%), पशु पुनरूत्पादन एवं मादा रोग विज्ञान (44.25%), पशु चिकित्सा जन–स्वास्थ्य (38.52%) का स्थान था जबकि प्रत्याशियों का न्यूनतम प्रतिशत (0.52%) खाद्य प्रौद्योगिकी विषय में था। चार विषयों नामतः गृह विज्ञान, फार्म मशीनरी एवं शक्ति, कृषि व्यापार प्रबंध और जैव सूचना विज्ञान में सफलता की दूर 6% से कम थी।

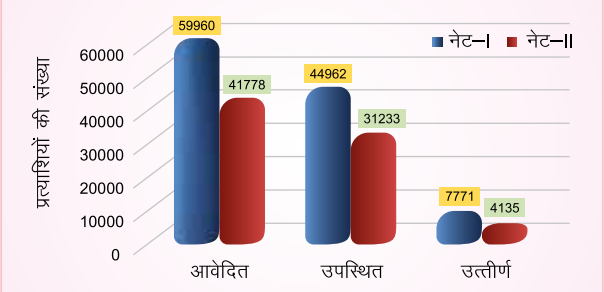

वर्ष 2018 में आयोजित नेट–I और नेट–II परीक्षाओं का विवरण

नेट 2018 (II) ऑनलाइन परीक्षा का एक दृश्य

प्रत्याशियों का प्रमुख विषयवार विवरण

प्रमुख विषय	नेट–2018 (I)			नेट–2018 (II)		
	पंजीकृत उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	अर्हता का प्रतिशत	पंजीकृत उम्मीदवार	उपस्थित उम्मीदवार	उत्तीर्णता प्रतिशत
फसल विज्ञान	25000	18565	19	16724	12417	13
बागवानी विज्ञान	4768	3621	34	3535	2656	19
प्राकृतिक संसाधन प्रबंध	9768	7637	8	7327	5601	19
पशु विज्ञान	5676	4176	31	3863	2897	15
मात्स्यिकी विज्ञान	1442	1057	11	1215	923	19
कृषि अभियांत्रिकी	6938	3733	11	3592	2686	7
सामाजिक विज्ञान	6368	6173	8	5522	4053	6

आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि दोनों परीक्षाओं में अर्हता प्राप्त करने वाले कुल 11906 प्रत्याशियों में से 3065 (26%) दस राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (तमिल नाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर; गोविंद वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलुरू; केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर; उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़; इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर; पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना; आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद; और नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी) के, 4312 (36%) अन्य राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के, 3328 (28%) कृषि संकाय युक्त सामान्य विश्वविद्यालयों के, 1027 (9%) मानद विश्वविद्यालयों (भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली; भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर; राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल व केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुम्बई) तथा 174 केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों से थे।

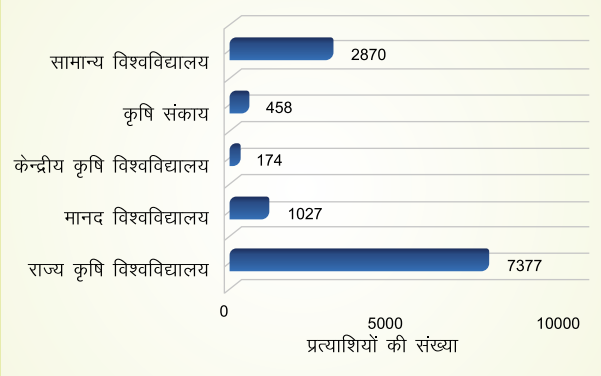

प्रत्याशियों का संगठनवार निष्पादन

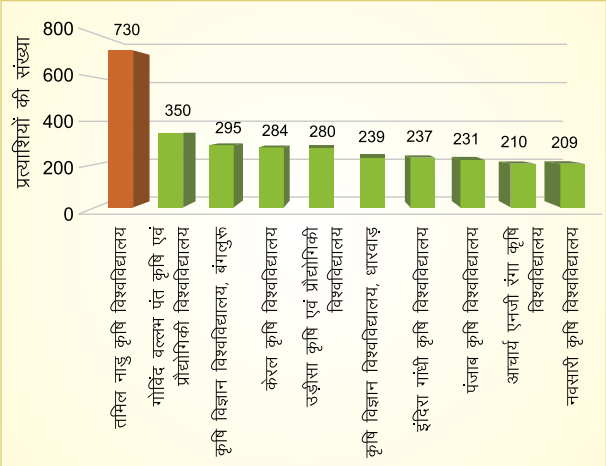

नेट परीक्षा 2018 (I और II) में सफल प्रत्याशियों का विश्वविद्यालयवार विवरण

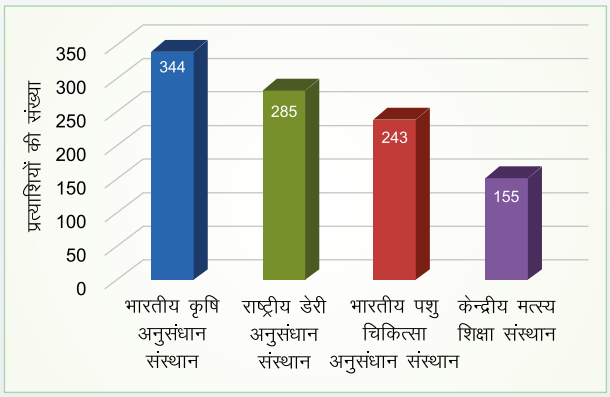

नेट परीक्षा 2018 में भा.कृ.अ.प. के मानद विश्वविद्यालयों का निष्पादन

दोनों परीक्षाओं में योग्य 11,906 प्रत्याशियों में से लगभग 66% प्रत्याशी दस राज्यों (कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिल नाडु, महाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, ओडिशा, गुजरात, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल) से थे।

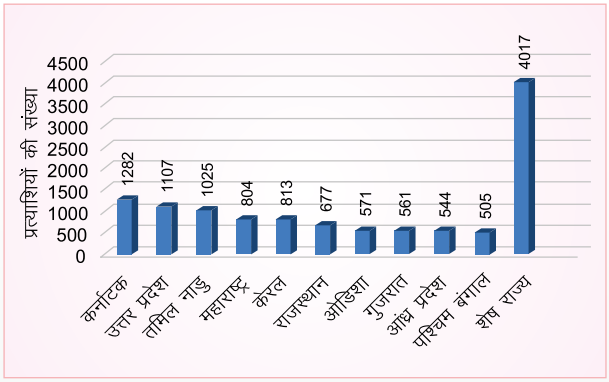

नेट परीक्षा 2018 में राज्यवार निष्पादन

- दोनों परीक्षाओं में अर्हता प्राप्त 11,906 प्रत्याशियों में से 49.32% महिला प्रत्याशी थी और 61% ग्रामीण क्षेत्रों से थे।

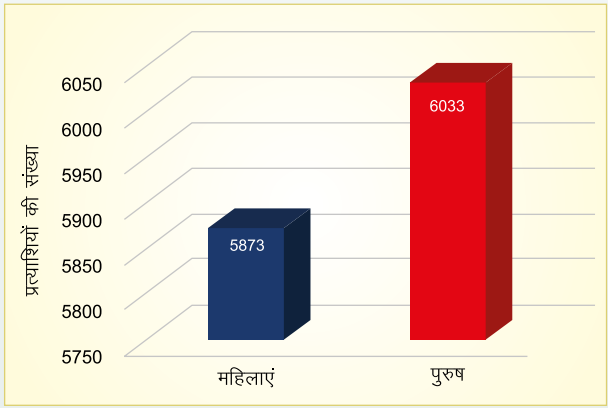

नेट परीक्षा 2018 (I) और (II) में सफल प्रत्याशियों का लिंगवार विवरण

परीक्षा के माध्यम से भर्ती

03

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा-2017

वर्ष के दौरान भारत में स्थित 23 केन्द्रों में 29 विषयों में 195 पदों के लिए 06–10 अप्रैल 2018 को कृषि अनुसंधान सेवा–2017 (प्रारंभिक) और नेट–2018 (I) संयुक्त परीक्षा ऑन लाइन मोड में आयोजित की गई। इसमें परीक्षा हेतु 28,257 प्रत्याशी पंजीकृत हुए तथा 21,006 प्रत्याशी परीक्षा में उपस्थित हुए। कुल 2,555 प्रत्याशी (12.2%) एआरएस (मुख्य) परीक्षा के लिए योग्य पाए गए। भारत के 12 केन्द्रों में 24 जून 2018 को आयोजित मुख्य परीक्षा में 2293 प्रत्याशी वास्तव में उपस्थित हुए।

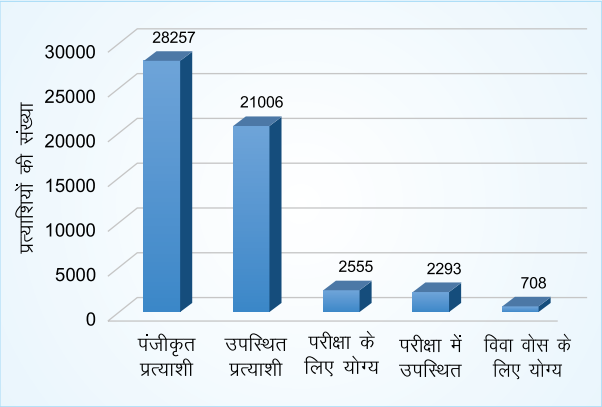

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा–2017 का विवरण

कुल 195 रिक्तियों के लिए 708 प्रत्याशी मौखिक परीक्षा या साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किए गए। इस संदर्भ में निर्धारित न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त न कर पाने के कारण 1:5 के अनुपात का अनुपालन नहीं किया जा सका क्योंकि इस अनुपात में प्रत्याशी उपलब्ध नहीं थे। इन विषयों का विवरण नीचे तालिका में दिया हुआ है। मौखिम परीक्षा का आयोजन मई माह में निर्धारित किया गया है।

विषय	रिक्तियां	मौखिक परीक्षा के लिए योग्य	1:5 अनुपात के अनुसार वांछित संख्या
पादप जैवरसायनविज्ञान	9	36	45
मात्स्यिकी संसाधन प्रबंध	6	29	30
कृषि रसायन	5	17	25
कृषि वानिकी	04	06	20
कृषि अर्थशास्त्र	16	59	80
कृषि विस्तार	06	28	30
कृषि सांख्यिकी	09	09	45
पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन	7	32	35
फार्म मशीनरी एवं पावर	09	39	45
कम्प्यूटर अनुप्रयोग एवं सूचना प्रौद्योगिकी	22	18	110
जैव सूचना विज्ञान	11	11	55
कृषि संरचना एवं प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	12	22	60

तकनीशियनों (टी1) के लिए सामान्य लिखित परीक्षा

भा.कृ.अ.प. के संस्थानों में तकनीशियन (टी1) के पदों को भरने के लिए भारत के 27 केन्द्रों में 1 जुलाई 2018 को ऑन

लाइन पद्धति से एक सामान्य लिखित परीक्षा आयोजित की गई। कुल 11,797 प्रत्याशी परीक्षा के लिए पंजीकृत हुए तथा 9204 प्रत्याशी वास्तव में परीक्षा में शामिल हुए। टी 1 पद के लिए चुने गए 527 प्रत्याशियों के परिणाम संबंधित संस्थानों को भेज दिए गए हैं।

आशुलिपिक ग्रेड-III परीक्षा, 2017

भा.कृ.अ.प. मुख्यालय, नई दिल्ली तथा देशभर में फैले कृषि विज्ञान केन्द्रों में मौजूद रिक्तियों सहित परिषद के संस्थानों के लिए आशुलिपिक ग्रेड–III के 96 पद भरने के लिए एक अखिल भारतीय खुली प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई।

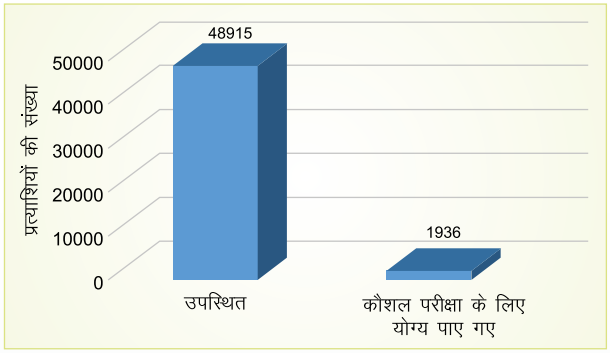

आशुलिपिक ग्रेड–III परीक्षा, 2017 का विवरण

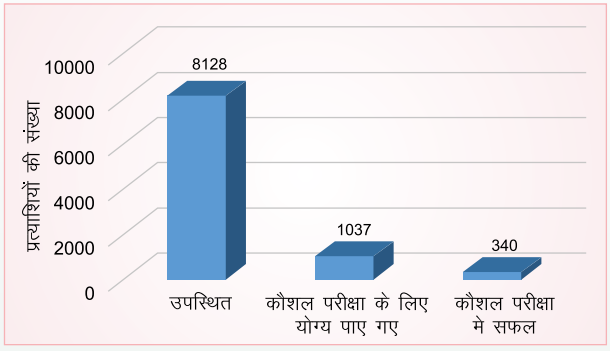

अवर श्रेणी लिपिक परीक्षा 2016 का विवरण

इस परीक्षा में उपस्थित होने वाले 48,915 प्रत्याशियों में से 1936 प्रत्याशियों को कौशल परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अनंतिम रूप से योग्य घोषित किया गया। दिनांक 29.10.2018–02.11.2018 को आयोजित अर्हकता कौशल परीक्षा के आधार पर 48 संबंधित संस्थानों/कृषि विज्ञान केन्द्रों को 93 पदों के परिणाम आशुलिपिक ग्रेड–III के रूप में नियुक्ति के लिए अवगत कराए जा चुके हैं।

भा.कृ.अ.प. के संस्थानों के लिए अवर श्रेणी लिपिक (सीधी भर्ती) परीक्षा-2016

भा.कृ.अ.प. के संस्थानों में अवर श्रेणी लिपिक के 238 पदों को भरने के लिए ऑन लाइन मोड में परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में उपस्थित होने वाले 8,128 प्रत्याशियों में से 1037 प्रत्याशियों को कौशल टंकण परीक्षा में शामिल होने के लिए अनंतिम रूप से योग्य घोषित किया गया। दिनांक 8 सितम्बर 2018 को आयोजित अर्हकता कौशल परीक्षा के आधार पर 340 आवेदकों को भा.कृ.अ.प. के 65 संस्थानों में अवर श्रेणी लिपिक के पदों पर नियुक्त किए जाने हेतु विचार करने के लिए योग्य घोषित किया गया।

सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा-2018

इस अवधि के दौरान उच्च श्रेणी लिपिक (यूडीसी) के पदों को भरने के लिए 16.11.2018 को सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की गई। इसका विवरण निम्नानुसार है :

पद	रिक्तियां	आवेदन करने वाले प्रत्याशियों की संख्या	उपस्थित होने वाले प्रत्याशियों की संख्या	चुने गए प्रत्याशियों की संख्या
उच्च श्रेणी लिपिक (यूडीसी)	07	03	01	01
कुल	**07**	**03**	**01**	**01**

सीधी भर्ती

04

रिपोर्ट अवधि के दौरान तीन विज्ञापनों में 136 पद विज्ञापित किए गए। इनमें से चार पद परियोजना समन्वयकों के, 101 पद प्रभागाध्यक्षों/क्षेत्रीय केन्द्रों के अध्यक्षों के थे, शेष 31 पद अनुसंधान प्रबंध संबंधित अर्थात् उप महानिदेशक (3), राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक (3), सहायक महानिदेशक (1), निदेशक (21), राष्ट्रीय संस्थानों के संयुक्त निदेशक (1) तथा दो पद परियोजना निदेशकों के थे।

अनुसंधान प्रबंध संबंधी विज्ञापित 136 पदों में से निदेशक के 11 पद प्रशासनिक कारणों से वापस ले लिए गए।

वर्ष 2018-19 के दौरान विज्ञापित विभिन्न वैज्ञानिक पदों का पदवार ब्यौराः

विज्ञापित पद	03/2018	04/2018	05/2018	कुल
उप महानिदेशक	3	-	-	3
राष्ट्रीय संस्थानों के निदेशक	3	-	-	3
सहायक महानिदेशक	1	-	-	1
निदेशक	21	-	-	21
परियोजना निदेशक	2	-	-	2
राष्ट्रीय संस्थान का संयुक्त निदेशक	1	-	-	1
परियोजना समन्वयक	-	4	-	4
प्रभागाध्यक्ष/क्षेत्रीय केन्द्रों के अध्यक्ष	-	44	57	101
कुल	**31**	**48**	**57**	**136**

मंडल द्वारा विज्ञापन सं. 01/2017, 04/2018 और 05/2018 के माध्यम से प्रभागाध्यक्षों/क्षेत्रीय केन्द्रों के अध्यक्षों तथा परियोजना समन्वयकों के सभी पदों पर भर्ती संबंधी कार्य इस संबंध में परिषद से और निर्देश प्राप्त होने तक स्थगित कर दिया गया क्योंकि ऐसा भा.कृ.अ.प. के दिनांक 19.11.2018 के पत्र संख्या 95(4)/2018–कार्मिक–III में कहा गया था।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग व दिव्यांग व्यक्तियों की श्रेणियों के अंतर्गत आने वाले प्रत्याशियों की भर्ती

05

परीक्षा द्वारा भर्ती

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग व्यक्तियों तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत आने वाले प्रत्याशियों को भा.कृ.अ.प./भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार भर्ती के लिए अनुशंसित किया गया। इन विशेष श्रेणियों के अंतर्गत चुने गए प्रत्याशियों तथा प्रत्येक श्रेणी के लिए मौजूद रिक्तियों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

आशुलिपिक ग्रेड-III के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग व्यक्तियों के पदों का वर्गवार वितरण

श्रेणी	विज्ञापित पद	वास्तव में भरे गए
अनुसूचित जाति	09	09
अनुसूचित जनजाति	04	04
दिव्यांग	07	02
अन्य पिछड़ा वर्ग	15	15
कुल	**35**	**30**

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग व्यक्तियों तथा अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी के लिए उपलब्ध 35 रिक्तियों में से दिव्यांग श्रेणी के केवल 5 पद उचित व योग्य प्रत्याशी उपलब्ध न होने के कारण नहीं भरे जा सके।

वैज्ञानिकों का मूल्यांकन : कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस)

06

संशोधित केरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत वरिष्ठ वैज्ञानिकों का मूल्यांकन/ पदोन्नति

भा.कृ.अ.प. के विभिन्न संस्थानों से वरिष्ठ वैज्ञानिकों को 41 विषयों में संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत पदोन्नति करने के लिए भा.कृ.अ.प. के संस्थानों से 102 प्रस्ताव प्राप्त हुए। पादप प्रजनन विषय में एक समीक्षा मामला प्राप्त हुआ जिसका भी मूल्यांकन किया गया। इसके लिए 20 अगस्त 2018 से 1 दिसम्बर 2018 तक साक्षात्कार लिए गए।

इस मूल्यांकन के परिणाम से यह प्रदर्शित हुआ है कि 85% प्रत्याशी अपनी निर्धारित तिथि से पदोन्नत हुए जबकि 10% अगली उच्च श्रेणी की पदोन्नतियों को आस्थगित कर दिया गया।

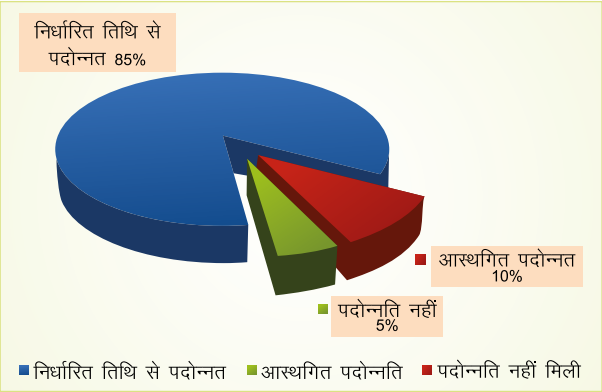

पदोन्नति के लिए मूल्यांकित प्रत्याशियों का निष्पादन

आंकड़ों के विश्लेषण से यह प्रदर्शित हुआ कि छह विषयों नामतः जलजंतुपालन, मत्स्य एवं मात्स्यिकी विज्ञान, पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, कृषि भौतिकी, आर्थिक वनस्पतिविज्ञान को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रत्याशियों को पदोन्नतियां प्राप्त हुईं। प्रमुख विषयवार विवरण निम्नानुसार है

प्रमुख विषय	प्रस्ताव जिन पर कार्रवाई की गई	पदोन्नति (आस्थगित पदोन्नति सहित)
फसल विज्ञान	29	28
बागवानी विज्ञान	7	7
पशु विज्ञान	23	22
मात्स्यिकी विज्ञान	10	8
प्राकृतिक संसाधन प्रबंध	16	15
सामाजिक विज्ञान	10	10
कृषि अभियांत्रिकी	7	7
कुल	**102**	**97**

1. कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का पुनर्गठन

भारत सरकार ने 1 अगस्त 2018 को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जारी अधिसूचना सं. 25/सीएम/2018(i) दिनांक 06.08.2018; मामला सं. 213/25/2018 (मद सं.–7) द्वारा लिए गए एक निर्णय में कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय को 9 अगस्त 2018 को औपचारिक रूप से भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है।

(i) कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल (एएसआरबी) में चार सदस्यों का निकाय होगा जिसमें एक अध्यक्ष व तीन सदस्य होंगे।

(ii) मंडल का अध्यक्ष निम्न में से चुना जाएगा :

(क) पीएच.डी. उपाधि प्राप्त सेवा से निवृत्त वैज्ञानिक या तकनीकी विद या शिक्षाविद जिसे लोक सेवक के रूप में सेवा करने का 25 वर्ष का अनुभव हो या सेवानिवृत्त व्यक्ति जिसे सार्वजनिक प्रशासन या कृषि अथवा संबंधित क्षेत्रों में कम से कम 25 वर्ष का अनुभव हो।

(ख) इसके लिए चयन कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के विद्यमान निर्देशों के अनुसार मंत्रालय/विभाग द्वारा नियुक्त उच्च स्तरीय खोज–व–चयन समिति द्वारा किया जाना चाहिए।

(ग) इस प्रकार चुने गए अध्यक्ष का अपने पिछले संगठन में कोई ग्रहणाधिकार नहीं होना चाहिए। अध्यक्ष का दर्जा भारत सरकार के सचिव के पद के समतुल्य होगा और उसे उचित वेतन व लाभ प्रदान किए जाएंगे।

(iii) मंडल के तीन अन्य सदस्य 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के वेतन लेवल 14 के समतुल्य पद या प्राध्यापक के समतुल्य पद पर कार्यरत वैज्ञानिकों में से चुने जाएंगे जिन्हें विषयों के निम्न तीन समूहों में से किसी एक विषय में कम से कम 20 वर्ष का अनुभव होगा।

(क) फसल विज्ञान एवं बागवानी विज्ञान सहित पादप विज्ञान समूह

(ख) पशु विज्ञान एवं मात्स्यिकी विज्ञान समूह

(ग) प्राकृतिक संसाधन प्रबंध, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि विस्तार, कृषि शिक्षा, कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी जैसी सामाजिक विज्ञान

(iv) जो उभरते हुए विषय उपरोक्त तीन समूहों के अंतर्गत नहीं आते हैं उन्हें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री की स्वीकृति से विषयों के उपरोक्त तीनों समूहों में से किसी भी एक समूह में शामिल किया जा सकता है।

(v) कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष तथा सदस्यों के वेतन लेवल निम्नानुसार होंगे :

(क) अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल–लेवल–17; मूल वेतन 2,25,000/–रु. (निर्धारित)

(ख) सदस्य, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल–लेवल–16, मूल वेतन 2,05,400–2,24,400/–रु.

(vi) कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, इनमें से जो भी पहले हों, होगा।

(vii) स्वायत्तता, गोपनीयता, जवाबदेही तथा कुशल कार्य संचालन के उद्देश्य से कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का सचिवालय में प्रशासनिक स्टाफ का अपना संवर्ग (केडर) होगा तथा इसका स्वतंत्र प्रशासनिक नियंत्रण होगा। इसे भा.कृ.अ.प. के स्टाफ से होने वाली तैनाती के विद्यमान प्रावधान से मुक्त किया जाएगा। मंडल के सभी स्टाफ के लिए कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नियोक्ता तथा अनुशासनिक प्राधिकरण होगा।

(viii) सचिव, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का पद वेतन लेवल 14 में संयुक्त सचिव के स्तर का होगा तथा प्रारंभिक वेतन 1,44,200 रु. होगा जिसके लिए केन्द्रीय स्टाफिंग योजना के माध्यम से भरे जाने का प्रावधान किया जाएगा। सचिव समस्त प्रशासनिक, वित्तीय, समन्वयन, पर्यवेक्षण, अनुशासनिक एवं सतर्कता संबंधी मामलों का प्रमुख होगा तथा मंडल के स्वतंत्र कार्य संचालन के लिए मंडल के अध्यक्ष व सदस्यों को आवश्यक परिचालनीय सहायता उपलब्ध कराएगा।

(ix) कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल का मध्य प्रबंधन उप सचिव/निदेशक की श्रेणी का होगा तथा इससे संबंधित पदों को

भा.कृ.अ.प. के अवर सचिवों की पदोन्नति और केन्द्रीय स्टाफिंग योजना की प्रतिनियुक्ति से 40:60 के अनुपात में भरा जाएगा। बाहरी अनुभवी मेन पावर मध्यम स्तर के प्रबंधन की कुशलता बढ़ाने में सहायता पहुंचाएगी। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल सीसीएस (सीसीए) नियमावली, 1965 के संदर्भ में नियंत्रणकारी प्राधिकरण तथा अनुशासनिक प्राधिकरण होगा।

(x) कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल प्रशासनिक स्टाफ के लिए नियोक्ता/नियंत्रणकर्ता एवं अनुशासनिक प्राधिकरण होगा।

(xi) कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल उपरोक्त प्रशासनिक स्टाफ के लिए भर्ती नियमावली (आरआर) बनाएगा जिसके लिए वह केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री की स्वीकृति से कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के दिशानिर्देशों/अनुदेशों का पालन करेगा।

(xii) कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को भा.कृ.अ.प. से विसम्बद्ध करके कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) से सम्बद्ध किया जाएगा। मंडल के बजट को भा.कृ.अ.प. के बजट से अलग करके डेयर के अंतर्गत सृजित किया जाएगा।

2. ऑन लाइन परीक्षाएं

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल धीरे–धीरे अब एआरएस (मुख्य) परीक्षा को छोड़कर कम्प्यूटर आधारित परीक्षा पद्धति पर लिखित परीक्षा लेने लगा है। वर्ष के दौरान मंडल द्वारा तीन परीक्षाएं अर्थात् एआरएस–2017 (प्रारंभिक) और नेट–2018 (I और II) के अलावा टी–1 परीक्षा, आशुलिपिक ग्रेड–III के लिए कौशल परीक्षा और एलडीसी–2016 परीक्षा आयोजित की गई। इन परीक्षाओं का विवरण नीचे दिया गया है :

क्र. सं.	परीक्षाएं	पंजीकृत प्रत्याशियों की संख्या
1	एआरएस–2017 (प्रारंभिक) और नेट–2018 (I)	65,966
2	टी–1 परीक्षा	11,797
3	आशुलिपिक ग्रेड–III–2017 की कौशल परीक्षा में सफल प्रत्याशी	1936
4	एलडीसी–2016 की कौशल परीक्षा के लिए सफल प्रत्याशी	1037
5	नेट–2018 (II)	41,778
	कुल	**1,22,778**

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 तथा केन्द्रीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली का कार्यान्वयन

08

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मंडल ने सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित समय के अंतर्गत आरटीआई अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न अनुरोधों और अपीलों के प्रति संतोषजनक रूप से कार्रवाई की है। तद्नुसार मंडल ने उत्तरदायित्वपूर्ण 'जन प्राधिकरण' के रूप में इस संबंध में उचित कार्रवाई की है। मंडल ने दो केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी तथा एक अपीलीय प्राधिकारी नियुक्त किया है ताकि सूचना प्राप्त करने वालों से प्राप्त होने वाले अनुरोधों पर क्रमबद्ध रूप से कार्रवाई की जा सके। भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल तीन परीक्षाओं, भर्तियों, मूल्यांकन तथा चयन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 को इसकी सच्ची भावना के साथ लागू किया जा सके। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 के अनुसार भर्ती तथा मूल्यांकन से संबंधित सभी अद्यतन सूचना कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की वेबसाइट (www.asrb.org.in) पर समय–समय पर उपलब्ध कराई जाती है।

रिपोर्ट अवधि के दौरान मंडल में 424 मामले प्राप्त हुए जिनमें से मुख्यतः मामले विशेषज्ञों के नाम का खुलासा करने, प्रत्याशियों की छंटाई तथा साक्षात्कारों में अंक प्राप्त करने, सीधी भर्ती वाली पदों के लिए आवेदनों की छंटाई करने की क्रियाविधि, मूल्यांकन समिति द्वारा दिए गए अंकों, विभिन्न परीक्षाओं में प्राप्त किए गए अंकों, उत्तर–पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया, परीक्षाओं के उत्तरों की कुंजी, उत्तर पुस्तिकाओं की फोटोकॉपी, ओएमआर शीट तथा प्रश्न–पत्रों, मंडल के पूर्व सक्रिय आदेशों/निर्णयों, आरटीआई अधिनियम की धारा 4 का मंडल में कार्यान्वयन करने तथा स्रोत के रूप में लगी हुई मेन पावर का विवरण प्राप्त करने से संबंधित थे।

कुल 424 मामलों में से केवल चार आवेदकों ने कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के निर्णयों के विरुद्ध केन्द्रिय सूचना आयोग को द्वितीय अपील की सभी मामले संबंधित व्यक्तियों को पूर्णतः संतुष्ट करते हुए सफलतापूर्वक निपटाए गए तथा मंडल द्वारा जो उत्तर दिए गए थे, उन्हें भी लगभग सभी मामलों में माननीय केन्द्रिय सूचना आयोग द्वारा उचित ठहराया गया। इसका सम्पूर्ण विवरण नीचे दिया गया है :

वर्ष 2018-19 के दौरान सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत निपटाए गए मामलों का सारांश

खण्ड-I (अनुरोध तथा अपीलों के बारे में विवरण)

	01.04.2018 को आदिशेष निर्णय	अन्य पीएएस से स्थानांतरित होकर प्राप्त होने वाले आवेदनों की संख्या	तिमाही के दौरान प्राप्त (अन्य पीएएस से हस्तांतरित मामलों सहित)	अन्य पीएएसयू/एस 6 (3) के अन्तर्गत हस्तांतरित मामलों की संख्या	वे निर्णय जहां अनुरोधों/अपीलों को अस्वीकार किया गया	जहां अनुरोध/अपील स्वीकार किए गए
अनुरोध	3	59	362	11	1	412
प्रथम अपील	0	लागू नहीं	32	लागू नहीं	1	31
		पदनामित सीएपीआईओ की कुल संख्या		पदनामित सीपीआईओ की कुल संख्या		पदनामित अपीलीय प्राधिकारियों की कुल संख्या
		–		2		1

खण्ड-II. (एकत्र किए गए शुल्क, दिए गए दंड तथा की गई अनुशासनिक कार्रवाई का विवरण)

एकत्र किया गया पंजीकरण शुल्क (रुपयों में) धारा 7(1) के अंतर्गत	एकत्र किया गया अतिरिक्त शुल्क (रुपयों में) धारा 7(3) के अंतर्गत	सीआईसी की धारा 20(1) के अंतर्गत दिए गए निर्देश के अनुसार वसूली की गई दंड राशि (रुपयों में)	धारा 20(2) के अंतर्गत किसी भी अधिकारी के विरुद्ध की गई अनुशासनिक कार्रवाई से संबंधित मामलों की संख्या
2360/–	402/–	0	0

खण्ड-III. (सूचना के अनुरोध को स्वीकार करते समय धारा 8 के अंतर्गत अपनाए गए विभिन्न प्रावधानों का विवरण)

अनुरोध को अस्वीकार करते समय विभिन्न प्रावधानों को कितनी बार लागू किया गया													
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की संबंधित धाराएं													
धारा 8(1)										अन्य धाराएं			
(a)	(b)	(c)	(d)	(e)	(f)	(g)	(h)	(i)	(j)	(9)	(11)	(24)	अन्य
-	-	-	1	7	-	-	-	-	25	-	-	-	7

केन्द्रीय सार्वजनिक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस)

इस अवधि के दौरान मंडल में 126 शिकायतें प्राप्त हुईं। मुख्यतः परीक्षाओं के माध्यम से तकनीशियन (टी1), तकनीकी सहायक (टी–3), आशुलिपिक ग्रेड–III, अवर श्रेणी लिपिक 2017, भर्ती के लिए सामान्य सूचना, सहायक परीक्षा–2014, सहायक निदेशक (राजभाषा), नेट 2017, एआरएस 2016, नेट 2018 (1) तथा वैज्ञानिकों के मूल्यांकन जैसे विभिन्न मुद्दों से संबन्धित विभिन्न अनुरोधों पर मंडल ने कुशलतापूर्वक एवं संतोषजनक ढंग से कार्रवाई की।

हिन्दी (राजभाषा) को बढ़ावा

09

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों का पूरा करने के लिए हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबद्ध है। मंडल यह पूरी तरह सुनिश्चित करता है कि परिपत्र, प्रतिवेदन, प्रश्न–पत्र तथा अन्य दस्तावेज अधिनियम तथा नियमों के प्रावधानों के अनुसार द्विभाषी आवश्यकता को सुनिश्चित करते हुए अत्यंत सावधानी से संकलित किए जाएं और राजभाषा नीति का उचित अनुपालन किया जाए।

- मंडल में कार्यरत लगभग 98 प्रतिशत अधिकारियों तथा 100 प्रतिशत स्टाफ सदस्यों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।
- सहायक साहित्य जैसे कृषि शब्दावली, हिंदी में मानक पत्रों/मसौदों के नमूने, सामान्य वाक्यों के हिन्दी समानार्थ आदि भी स्टाफ सदस्यों को उपलब्ध कराए गए हैं।
- परीक्षा संबंधी नियमों, सूचनाओं तथा पाठ्यक्रमों; प्रत्याशियों के लिए अनुदेशों; प्रवेश प्रमाण–पत्रों; परीक्षा पुस्तिकाओं, उत्तर पुस्तिकाओं, प्रश्न–पत्रों, आवेदन फार्मों, उपस्थिति पत्रों तथा उपस्थिति सूचियों को अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी में भी छपवाया गया है।
- वर्ष के दौरान मंडल द्वारा जारी किए गए विभिन्न विज्ञापन 'रोजगार समाचार' सहित देश के प्रमुख समाचार–पत्रों में हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार करके प्रकाशित किए गए।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के कार्यालय में सभी कम्प्यूटर कुंजी–पटल देवनागरी लिपि के अक्षरों में उपलब्ध कराए गए हैं।
- कृषि शिक्षा/अनुसंधान में प्रयुक्त होने वाले महत्वपूर्ण तकनीकी शब्दों का अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश प्रश्न–पत्र तैयार करने वालों/अनुवादकों के लाभ के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्याशियों को सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ–साथ मंडल के साक्षात्कारों में प्रश्नों के उत्तर देने के मामले में हिन्दी का विकल्प हो।
- कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की वेबसाइट www.asrb.org.in द्विभाषी (अंग्रेजी और हिन्दी) में है।
- रिपोर्ट अवधि के दौरान मंडल ने परीक्षा सामग्री का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करने में 2,77,453/–रु. व्यय किए।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें

इस अवधि के दौरान मंडल में जून, सितम्बर, दिसम्बर–2018 तथा मार्च 2019 के दौरान चार तिमाही राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई तथा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

दिनांक 31 मार्च 2019 को समाप्त तिमाही के लिए कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल की राजभाषा को बढ़ावा देने से संबंधित तिमाही रिपोर्ट में यह प्रदर्शित हुआ है कि :

- राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत राजभाषा का कार्यान्वयन 100% हुआ। इसी प्रकार, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा क तथा ख क्षेत्रों से प्राप्त होने वाले पत्रों के उत्तर 100% हिन्दी में दिए गए।
- 'क' क्षेत्र के साथ हिन्दी में 98.94% पत्र व्यवहार किया गया जबकि 'ख' तथा 'ग' क्षेत्र के साथ यह क्रमशः 99.49% और 98.83% था। उल्लेखनीय है कि 'ग' क्षेत्र के साथ हिन्दी में पत्राचार का लक्ष्य 65% निर्धारित किया गया है।
- हिन्दी में टिप्पण का सकल निष्पादन 91.36% था जो निर्धारित लक्ष्य 75% से कहीं अधिक है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का एक दृश्य

हिन्दी चेतना मास का आयोजन

वर्ष के दौरान कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा 9 अगस्त 2018 से 14 सितम्बर 2018 तक 'राजभाषा चेतना मास' मनाया गया। इस चेतना मास का उद्घाटन 9 अगस्त 2018 को हुआ। इस अवसर पर संवदिा स्टाफ सहित सभी कार्मिक/अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर हास्य कविता तथा हिन्दी काव्य–पाठ/हिन्दी गाने भी स्टाफ के सदस्यों ने प्रस्तुत

किए। अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने अपने औपचारिक संबोधन में कहा कि हमें सभी भाषाओं का ज्ञान होना चाहिए, लेकिन अपनी राजभाषा को नहीं भूलना चाहिए।

चेतना मास के दौरान हिन्दी के उपयोग के विभिन्न पहलुओं से संबंधित पांच प्रतियोगिताएं नामतः प्रश्न–मंच, लघुकथा लेखन, मुहावरों के अर्थ तथा वाक्यों में उनके उपयोग, अंग्रेजी मुहावरों के हिन्दी अर्थ और आशु भाषण आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं का विवरण निम्नानुसार है :

प्रतियोगिताओं का विवरण

प्रतियोगिताएं	तिथियां	प्रतिभागियों की संख्या
प्रश्न–मंच	09.08.2018	24
लघुकथा लेखन	27.08.2018	23
मुहावरे तथा वाक्यों में उनका उपयोग	30.08.2018	26
अंग्रेजी मुहावरों का हिन्दी में अर्थ	04.09.2018	14
आशु भाषण	11.09.2018	11

चेतना मास की झलकियां

चेतना मास समारोह का एक दृश्य

उप सचिव (भर्ती) श्री राजीव मंगोत्रा का सम्बोधन

चेतना मास के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण

राजभाषा सम्मेलन

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल तथा कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय (डीकेएमए), नई दिल्ली द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) के सहयोग से ए पी शिंदे सभागार, एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में दोनों कार्यालयों के अधिकारियों के स्टाफ के सदस्यों के लिए 4 मई 2018 को संयुक्त रूप से 'राजभाषा सम्मेलन' आयोजित किया गया। डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल; डॉ. एस.के. सिंह, परियोजना निदेशक, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय; श्री प्रमोद

शर्मा, उप निदेशक (समन्वयन), राजभाषा विभाग; श्री पी.आर. राव, सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली), श्री जय नारायण उपाध्याय, हिन्दी अधिकारी, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली; श्रीमती अरूण कमल, वरिष्ठ अनुवादक, रक्षा भूभाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरडीओ) और कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल तथा कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस सम्मेलन में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) के सदस्य कार्यालयों से आए कुल 158 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन में कुल तीन सत्र आयोजित किए गए। श्री पी.आर. राव, सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) ने अपने स्वागत भाषण में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) की गतिविधियों के बारे में बताया।

राजभाषा समारोह का एक दृश्य

सत्र के दौरान श्री केवल कृष्ण (वरिष्ठ तकनीकी निदेशक), राजभाषा विभाग ने **'हिन्दी में तकनीकी सहायता'** विषय पर; डॉ. (श्रीमती) रेखा व्यास, निर्माता निर्देशक व सहायक निदेशक ने **'हिन्दी भाषा वर्तनी : अशुद्धियां एवं निराकरण'** विषय पर तथा श्री देवेन्द्र मेवाड़ी, वरिष्ठ विज्ञान लेखक तथा प्रतिष्ठित विज्ञान संचारक ने **'विज्ञान एवं तकनीकी अनुवाद'** विषय पर व्याख्यान दिए। सत्र के पश्चात् एक खुली चर्चा भी आयोजित की गई तथा प्रतिभागियों से उनकी प्रतिक्रियाएं ज्ञात की गईं।

श्रीमती अरूण कमल, वरिष्ठ अनुवादक, प्रतिरक्षा भूभाग अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरडीओ) ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) की गतिविधियां

यह अत्यंत गौरव का विषय है कि भारत सरकार ने वर्ष 2015 से कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) की अध्यक्षता का उत्तदायित्व सौंपा है। मंडल ने 61 प्रतिभागी कार्यालयों में हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा देने की निगरानी करने व मार्गदर्शन करने के उत्तरदायित्व को अत्यंत गंभीरता से निभाया है तथा सभी कार्यालयों में राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित किया है। अब नवम्बर 2018 से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एवं एफआरए), नई दिल्ली को हस्तांतरित कर दिया गया है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) की अर्ध वार्षिक बैठक

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018–19 की प्रथम बैठक 22 जून 2018 को एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित की गई। श्रीमती इरा गुप्ता, हिन्दी अनुवादक, प्रकाशन विभाग ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। कुल 59 सदस्य कार्यालयों में से 55 कार्यालयों ने इस बैठक में भाग लिया। कुल 30 निदेशकों/कार्यालयों व संस्थानों के अध्यक्षों सहित इस बैठक में 106 सदस्य उपस्थित थे। श्री प्रमोद कुमार शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भी बैठक में उपस्थित थे। सभी उपस्थित 52 कार्यालयों की अर्ध वार्षिक रिपोर्टें बैठक में प्रस्तुत की गईं तथा उनकी समीक्षा की गई। इसके साथ ही राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए सदस्यों कार्यालयों के प्रतिभागियों ने कार्यान्वयन हेतु लिखित सुझाव दिए। इस बैठक के दौरान कार्यसूची की पांच मदों पर चर्चा की गई।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) की प्रथम अर्ध वार्षिक बैठक

श्री प्रमोद शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) ने भी बैठक में उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित किया। राजभाषा कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ निष्पादन के लिए पुरस्कार दिए गए तथा सदस्य कार्यालयों द्वारा सर्वश्रेष्ठ हिन्दी पत्रिका निकाले जाने के लिए भी उन्हें पुरस्कृत किया गया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उत्तरी दिल्ली के अध्यक्षीय कार्यालय कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को राजभाषा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ निष्पादन के लिए तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। बैठक का समापन श्रीमती नीलम मेहता, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (आईटी) और हिन्दी अधिकारी, राष्ट्रीय समेकित नाशीजीव प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र (एनसीआईपीएम), नई दिल्ली के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

महिला सशक्तिकरण

10

मंडल महिला प्रत्याशियों को प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में सभी संभावित प्रयास करता आ रहा है, ताकि लिंग समानता और महिला सशक्तिकरण की भावना को ध्यान में रखते हुए प्रणाली में लिंग संतुलन को सुधारा जा सके।

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट)

नेट परीक्षा अर्हकता प्राप्त प्रत्याशियों को शिक्षण संस्थानों/ राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक/ व्याख्याता के पदों हेतु आवेदन करने की पात्रता की दृष्टि से प्रमाण–पत्र देने के लिए ली जाने वाली अर्हकता परीक्षा है। पिछले छः वर्षों के आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि वर्ष 2013–14 में नेट परीक्षा में अर्हकता प्राप्त करने वाली महिला प्रत्याशी 32% थीं जो बढ़कर वर्ष 2018–19 में 51 प्रतिशत हो गई।

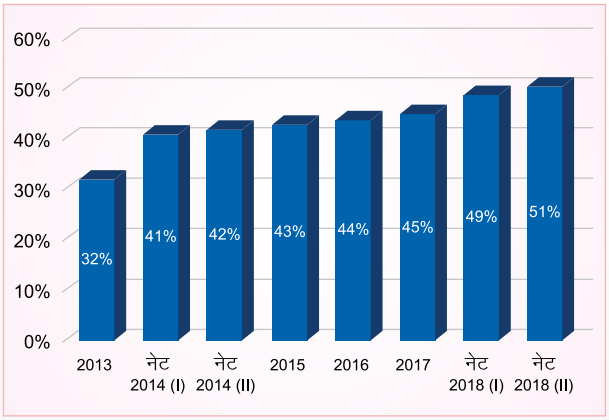

नेट परीक्षाओं (2013–18) में महिला प्रत्याशियों का निष्पादन

कृषि अनुसंधान सेवा परीक्षा

पिछले दस वर्ष की अवधि के आंकड़ों के विश्लेशण से यह स्पष्ट होता है कि कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) में प्रवेश स्तर पर महिला प्रत्याशियों का प्रतिशत बढ़ा है। यह वर्ष 2006–07 में लगभग 8% था जो वर्ष 2017–18 में बढ़कर 36% हो गया। इस वर्ष एआरएस 2017 की परीक्षा से संबंधित कार्रवाई अभी प्रगति पर है।

जून 2018 में आयोजित एआरएस–2017 मुख्य परीक्षा का एक दृश्य

विविध

कृषि अनुसंधान सेवा (एआरएस) वैज्ञानिकों के लिए कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) से संबंधित स्कीम तथा नियमों के अनुसार भा.कृ.अ.प. के विभिन्न संस्थानों में वैज्ञानिकों की पदोन्नति के मामलों पर विचार करने के लिए अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा विभिन्न समितियों के अध्यक्ष नियुक्त किए जाते हैं। तदनुसार अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल द्वारा संस्थानों में चयन समितियों की अध्यक्षता के लिए अनेक नामांकन किए गए। इसके अलावा अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल ने भा.कृ.अ.प. मुख्यालय तथा भारत में फैले इसके संस्थानों के तकनीकी संवर्ग के मामलों पर विचार करने के लिए भी मूल्यांकन समितियों का गठन किया।

तकनीकी कार्मिकों की मूल्यांकन पदोन्नति

मंडल ने भा.कृ.अ.प. मुख्यालय सहित इसके 62 संस्थानों के लिए मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञों के नामांकन को अंतिम रूप दिया है, ताकि तकनीकी कार्मिकों को विभिन्न श्रेणियों में मूल्यांकन के द्वारा पदोन्नति दी जा सके। इसका विवरण परिशिष्ट–V में दिया गया है।

वैज्ञानिकों की मूल्यांकन पदोन्नति

मंडल ने आरजीपी रु. 6,000–7,000; आरजीपी रु. 7,000–8,000 और आरजीपी रु. 8,000–9,000 में वैज्ञानिकों के मूल्यांकन के लिए विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) के गठन हेतु 69 संस्थानों के लिए विशेषज्ञों को अंतिम रूप देकर उनका नामांकन अधिसूचित किया है। इनका विवरण परिशिष्ट–VI में दिया गया है।

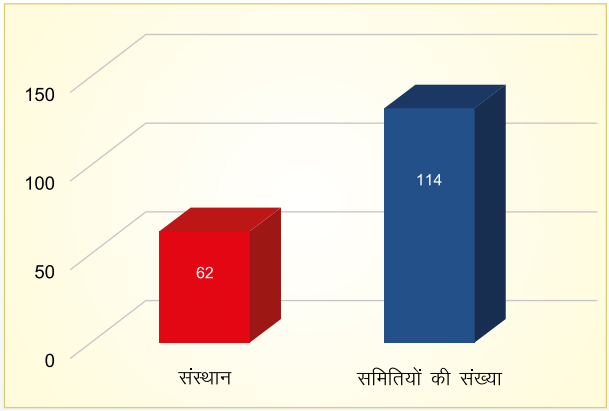

तकनीकी वर्ग के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

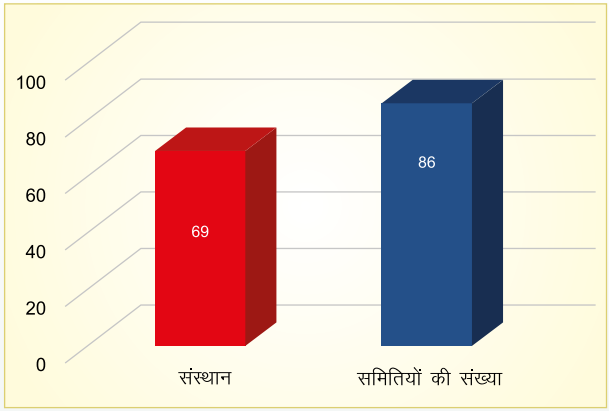

वैज्ञानिकों के लिए गठित मूल्यांकन समितियों का विवरण

सम्मान/पुरस्कार

प्रोफेसर (डॉ.) ए.के. श्रीवास्तव को प्राप्त मान/पुरस्कार/सम्मान

पुरस्कार एवं सम्मान

1. **आजीवन उपलब्धि पुरस्कार 2018** : इंडियन सोसायटी फॉर बफेलो डेवलपमेंट, द्वारा प्रदान किया गया।
2. **डॉक्टर ऑफ साइंस (डी.एससी.; मानद) 2019:** यह उपाधि नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा प्रदान की गई।

3. **आजीवन उपलब्धि पुरस्कार 2019:** केनिस वेल्फेयर पेट एसोसिएशन, नई दिल्ली, द्वारा प्रदान किया गया।

दीक्षांत समारोह एवं स्थापना दिवस व्याख्यान

1. नानाजी देशमुख पशुचिकित्साविज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर, के स्थापना दिवस व दीक्षांत समारोह में फरवरी 2019 को 5वां दीक्षांत भाषण दिया।

2. एसआरएस–राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, बंगलुरू में 1 जुलाई 2018 को स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।
3. बिहार पशुविज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में 29 अगस्त 2018 को प्रथम स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।
4. कृषि विश्वविद्यालय, कोटा (राजस्थान), में सितम्बर 2018 को दूसरा दीक्षांत भाषण दिया।

5. राष्ट्रीय डेरी विज्ञान अकादमी, भारत, पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय, तिरूपति में सितम्बर 2018 को 5वां दीक्षांत भाषण दिया।

6. राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान, हिसार में 26 नवम्बर 2018 को 34वां स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।

विचार मंथन सत्रों का आयोजन

- प्रो. (डॉ.) ए. के. श्रीवास्तव राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 29 मई 2018 को 'भारत में ए1 और ए2 दूध की पूर्ण क्षमता के दोहन के लिए कार्यनीतियां' विषय पर आयोजित 'नास' के विचार मंथन सत्र के संयोजक थे।

अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रमुख/उद्घाटन/अध्यक्ष/परिपूर्ण व्याख्यानदाता/पैनल सदस्य अथवा मोडरेटर

1. बंगलुरू में 18 सितम्बर 2018 को 'टिकाऊ तक लाभदायक लघु कृषि' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परामर्श।
2. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग व पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा जैवप्रौद्योगिकी विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से लखनऊ में आयोजित भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान उत्सव (आईआईएसएफ–2018) में 5 अक्तूबर 2018 को 'विविधीकरण के माध्यम से आय में वृद्धि' विषय पर तकनीकी सत्र।
3. बीएएसयू, पटना में 19–21 नवम्बर 2018 को 'किसानों के कल्याण के परिप्रेक्ष्य में पशु पोषण अनुसंधान का पुनः अभिमुखन' विषय पर आयोजित 11वीं द्विवार्षिक पशु पोषण एसोसिएशन सम्मेलन।
4. कोलकता में 24–25 नवम्बर 2018 को 'लाइफस्पैन के माध्यम से प्रोबायोटिक' विषय पर 9वां भारत प्रोबायोटिक सिम्पोज़ियम।
5. रांची में 29–30 नवम्बर 2018 को आयोजित 'वैश्विक कृषि एवं खाद्य शिखर सम्मेलन–2018।
6. झारखंड सरकार, रांची द्वारा 29–30 नवम्बर 2018 को 'कृषि को पुनः परिभाषित करना तथा जीवन को पुनः नया रूप देना' विषय पर आयोजित वैश्विक कृषि एवं खाद्य शिखर सम्मेलन–2018।
7. आनंद में 5–7 दिसम्बर 2018 को 'एक स्वास्थ्य : पशुचिकित्सा औषधिविज्ञान एवं विषविज्ञान संबंधी युक्तियां' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सिम्पोज़ियम व आईएसवीपीटी का 18वां वार्षिक सम्मेलन।
8. उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 19–20 दिसम्बर 2018 को एनएवीएएस (भारत) का 17वां दीक्षांत समारोह तथा 'एक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा एवं बचाव की दिशा में पशुधन क्षेत्र' विषय पर आयोजित सेमिनार।
9. भारतीय अर्थशास्त्र सेवा, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली के अधिकारी–प्रशिक्षणार्थियों के लिए नई दिल्ली में 31 दिसम्बर 2018 से 04 जनवरी 2019 तक आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
10. एलपीयू, जालंधर में 3–7 जनवरी 2019 को 'भारत का भविष्य : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी' विषय पर आयोजित 106वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस।
11. बीएएसयू, पटना में 4–6 फरवरी 2019 को 'बेहतर उत्पादन के लिए पशु स्वास्थ्य देखभाल में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी नवोन्मेष' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन।
12. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 14 मार्च 2019 को 'प्रोबायोटिक खाद्य के स्वास्थ्य संबंधी गुण' विषय पर आयोजित एनएडीएसआई सम्मेलन।
13. मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में 23–24 मार्च 2019 को आयोजित नोनी सर्च–2019 तथा इंटरनेशनल सोसायटी फॉर नोनी साइंसिस की परिचर्चा कार्यशाला।

प्रकाशित पुस्तक अध्याय

1. **श्रीवास्तव ए.के.** और कुमारेसन ए. (2018). लाइवस्टॉक फॉर इनहांसिंग फार्मर्स इनकम एंड फूड एंड न्यूट्रीशनल सिक्योरिटी इन : जीरो हंगर इंडिया : पॉलिसिस एंड प्रोस्पेक्टिव्स. संपादक के.वी. पीटर ब्रिलियन पब्लिशिंग, न्यूयार्क. मु.पृ. 535–536।

कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को सर्वश्रेष्ठ निष्पादन पुरस्कार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) के अध्यक्षीय कार्यालय कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल को 22 जून 2018 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, उत्तरी दिल्ली से राजभाषा कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ निष्पादन व इसे बढ़ावा देने के लिए छोटे कार्यालयों की श्रेणी में तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रकाशन

1. वार्षिक प्रतिवेदन 2017–18 (हिन्दी व अंग्रेजी)

उप सचिव (भर्ती), मुख्य तकनीकी अधिकारी और उप निदेशक (राजभाषा), कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल पुरस्कार प्राप्त करते हुए

2018-19 के दौरान कृ.वै.च.म. की प्राप्तियां एवं व्यय

प्राप्तियां			राशि (लाख में)
(क)	**प्राप्तियां**		
	आवेदन एवं परीक्षा शुल्क		₹ 191.88
		कुल	**₹ 191.88**
(ख)	**खर्च**		
	वेतन		₹ 557.15
	मजूदरी (संविदा कार्मिक)		₹ 150.37
	समयोपरि भत्ता (ओटीए)		0.0
	यात्रा व्यय (देश/विदेश में)		₹ 23.60
	कार्यालयी खर्च		₹ 72.59
परीक्षा एवं नियुक्ति/भर्ती पर व्यय			
(क)	यात्रा/मानदेय खर्च (विशेषज्ञ, सलाहकार एवं अभ्यर्थी)		₹ 63.22
(ख)	अन्य खर्च		₹ 462.21
	कुल गैर–योजना		**₹ 1329.14**
	सकल योग		**₹ 1329.14**

पिछले पांच वर्षों में बोर्ड के कार्यभार का तुलनात्मक विवरण

	कार्य का विवरण	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
क.	**परिक्षाओं द्वारा भर्ती**					
	आयोजित परिक्षाओं की संख्या	#07	+04	@06	***5	6%
	भरे गए पदों की संख्या	640	130	458	495	963
	प्राप्त आवेदनों की संख्या	1,07,862	52,423	1,16,690	1,49,560	1,22,514
	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवारों की संख्या	706	-	363	831	-
	भारत में परीक्षा आयोजित किए गए केन्द्रों की संख्या	23	23	27	47	34
ख.	**साक्षात्कार/सीधी भर्ती द्वारा भर्ती**					
	साक्षात्कार लिए गए पदों की संख्या	143	189	55	5	-
	प्राप्त आवेदनों की संख्या	1741	2555	924	117	1366
	साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	759	1020	438	56	-
	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	570	781	331	44	-
ग.	नेट उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	6937	4148	3803	6987	11906
घ.	मूल्यांकित वैज्ञानिकों की संख्या (सीएएस)	245	257	177	219	102
ड़.	पंचवर्षीय मूल्यांकन	1	-	-	-	-
च.	एआरएस में प्रवेश	1	-	-	-	-

#1. एआरएस एवं नेट प्रारंभिक परीक्षा 2014, एआरएस मुख्य परीक्षा, प्रशासनिक एवं वित्त व लेखा अधिकारी परीक्षा, सहायक निदेशक (राजभाषा) परीक्षा, सहायक परीक्षा 2014 तथा भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय हेतु सहायक, निजी सचिव एवं अनुभाग अधिकारी के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2014।

+2. सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी परीक्षा, नेट एवं एआरएस 2015 (प्रारम्भिक) परीक्षा, सहायक (डीआर) मुख्य परीक्षा एवं अपर श्रेणी लिपिक हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2015।

@3. एआरएस 2015 मुख्य परीक्षा, नेट 2016 (I) परीक्षा, तकनीकी सहायक (टी–3) एवं तकनीशियन (टी–1) के लिए सामान्य लिखित परीक्षा तथा सहायक एवं उच्च श्रेणी लीपिक के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 2016।

***4. एआरएस 2016 एवं नेट 2017 प्रारंभिक परीक्षा, एआरएस मुख्य परीक्षा, आषुलिपिक ग्रेड–III परीक्षा–2017, अवर श्रेणी लिपिक परीक्षा–2016 तथा भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में अनुभाग अधिकारी और निजी सचिव के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 2017।

%5 एआरएस 2017 एवं नेट 2018(I) प्रारंभिक परीक्षा, एआरएस 2017 मुख्य परीक्षा, टी1 परीक्षा, अवर श्रेणी लिपिक के लिए कौशल परीक्षण, नेट 2018(II) परीक्षा में आशुलिपिकों के लिए कौशल परीक्षण।

नेट 2018 (I) में विषयवस्तुवार उम्मीदवारों का विवरण

क्रम सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	पंजीकृत अभ्यर्थी	उपस्थित अभ्यर्थी	उत्तीर्ण अभ्यर्थी (%)
1.	कृषि जैवप्रौद्योगिकी	6897	4829	948 (19.63)
2.	कृषि कीट विज्ञान	2937	2275	880 (38.68)
3.	कृषि सूक्ष्मजैविकी	3889	3040	344 (11.32)
4.	आर्थिक वनस्पति विज्ञान एवं पादप अनुवांशिक संसाधन	454	240	0 (0.00)
5.	अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	3512	2771	471 (17.00)
6.	सूत्रकृमि विज्ञान	187	136	43 (31.62)
7.	पादप जैव रसायनिकी	1177	817	54 (6.61)
8.	पादप रोग निदान	3047	2332	519 (22.26)
9.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	2128	1546	295 (19.08)
10.	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	665	504	44 (8.73)
11.	पुष्पोत्पादन एवं भूदृष्य	675	519	161 (31.02)
12.	फल विज्ञान	1773	1357	540 (39.79)
13.	मसाला, रोपण तथा औषधीय व सुगंधीय पादप	347	256	29 (11.33)
14.	सब्जी विज्ञान	1973	1489	484 (32.51)
15.	पशु जैवरसायनिकी	344	204	35 (17.16)
16.	पशु जैवप्रौद्योगिकी	734	485	156 (32.16)
17.	पशु अनुवांशिकी एवं प्रजनन	255	185	80 (43.24)
18.	पशु पोषण	358	273	139 (50.92)
19.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	440	297	62 (20.88)
20.	पशु पुनरूत्पादन एवं मादा रोग विज्ञान	325	245	152 (62.04)
21.	डेरी रसायनिकी	80	64	21 (32.81)
22.	डेरी सूक्ष्मजैविकी	89	77	20 (25.97)
23.	डेरी प्रौद्योगिकी	350	264	31 (11.74)
24.	पशुधन उत्पादन प्रौद्योगिकी	179	141	11 (7.80)
25.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	577	401	59 (14.71)
26.	कुक्कुट पालन विज्ञान	100	79	46 (58.23)
27.	पशु चिकित्सा औषधि	428	333	153 (45.95)
28.	पशु चिकित्सा सूक्ष्मजैविकी	279	202	58 (28.71)
29.	पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान	120	86	18 (20.93)
30.	पशु चिकित्सा रोग विज्ञान	244	184	40 (21.74)
31.	पशु चिकित्सा औषधि विज्ञान	233	159	69 (43.40)

क्रम सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	पंजीकृत अभ्यर्थी	उपस्थित अभ्यर्थी	उत्तीर्ण अभ्यर्थी (%)
32.	पशु चिकित्सा जनस्वास्थ	199	160	65 (40.63)
33.	पशु शल्य चिकित्सा	342	267	22 (8.24)
34.	जलजीव पालन	531	391	21 (5.37)
35.	मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन	471	357	36 (10.08)
36.	मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	225	150	15 (10.00)
37.	मत्स्य पोषण	61	41	5 (12.20)
38.	मत्स्य स्वास्थ्य	93	71	13 (18.31)
39.	मत्स्य अनुवांशिकी एवं प्रजनन	61	47	26 (55.32)
40.	कृषि रसायन	107	75	9 (12.00)
41.	कृषि मौसम विज्ञान	325	266	38 (14.29)
42.	कृषि वानिकी	968	736	72 (9.78)
43.	सस्य विज्ञान	4064	3295	270 (8.19)
44.	पर्यावरणीय विज्ञान	1693	1155	56 (4.85)
45.	मृदा विज्ञान	2718	2185	185 (8.47)
46.	कृषि व्यापार प्रबंधन	823	578	24 (4.15)
47.	कृषि आर्थिकी	1754	1316	157 (11.93)
48.	कृषि विस्तार	2343	1820	59 (3.24)
49.	कृषि सांख्यिकी एवं सूचना विज्ञान	668	512	44 (8.59)
50.	गृह–विज्ञान	780	516	27 (5.23)
51.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	672	458	34 (7.42)
52.	कम्प्यूटर अनुप्रयोग और सूचना प्रौद्योगिकी	1278	938	186 (19.83)
53.	भूमि एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी	1042	806	203 (25.19)
54.	जैव सूचना विज्ञान (Bioinformatics)	652	493	13 (2.64)
55.	खाद्य प्रौद्योगिकी	2369	1793	2 (0.11)
56.	कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन	834	676	179 (26.48)
57.	पशु शरीर रचना विज्ञान	91	70	48 (68.57)
	कुल	**59960**	**44962**	**7771 (17.28)**

नेट 2018 (II) में विषयवस्तुवार उम्मीदवारों का विवरण

क्रम सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	पंजीकृत अभ्यर्थी	उपस्थित अभ्यर्थी	उत्तीर्ण अभ्यर्थी (%)
1.	कृषि जैवप्रौद्योगिकी	4703	3477	17 (0.49)
2.	कृषि कीट विज्ञान	1974	1414	59 (4.17)
3.	कृषि सूक्ष्मजैविकी	2539	1953	691 (35.38)
4.	आर्थिक वनस्पति विज्ञान एवं पादप अनुवांशिक संसाधन	386	261	6 (2.30)
5.	अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	2225	1647	271 (16.45)
6.	सूत्रकृमि विज्ञान	159	97	14 (14.43)
7.	पादप जैव रसायनिकी	671	482	45 (9.34)
8.	पादप रोग निदान	1779	1306	378 (28.94)
9.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	1730	1368	85 (6.21)
10.	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	487	363	18 (4.96)
11.	पुष्पोत्पादन एवं भूदृश्य	495	366	58 (15.85)
12.	फल विज्ञान	1253	943	69 (7.32)
13.	मसाला, रोपण तथा औषधीय व सुगंधीय पादप	273	188	88 (46.81)
14.	सब्जी विज्ञान	1514	1159	224 (19.33)
15.	पशु जैवरसायनिकी	229	164	16 (9.76)
16.	पशु जैवप्रौद्योगिकी	463	345	6 (1.74)
17.	पशु अनुवांशिकी एवं प्रजनन	145	106	52 (49.06)
18.	पशु पोषण	205	138	68 (49.28)
19.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	336	243	14 (5.76)
20.	पशु पुनरूत्पादन एवं मादा रोग विज्ञान	201	146	21 (14.38)
21.	डेरी रसायनिकी	38	33	9 (27.27)
22.	डेरी सूक्ष्मजैविकी	66	55	5 (9.09)
23.	डेरी प्रौद्योगिकी	273	205	8 (3.90)
24.	पशुधन उत्पादन प्रौद्योगिकी	134	107	7 (6.54)
25.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	429	339	22 (6.49)
26.	कुक्कुट पालन विज्ञान	64	48	35 (72.92)
27.	पशु चिकित्सा औषधि	255	198	11 (5.56)
28.	पशु चिकित्सा सूक्ष्मजैविकी	187	130	9 (6.92)
29.	पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान	83	60	11 (18.33)
30.	पशु चिकित्सा रोग विज्ञान	190	142	56 (39.44)
31.	पशु चिकित्सा औषधि विज्ञान	134	91	15 (16.48)

क्रम सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	पंजीकृत अभ्यर्थी	उपस्थित अभ्यर्थी	उत्तीर्ण अभ्यर्थी (%)
32.	पशु चिकित्सा जनस्वास्थ	124	97	34 (35.05)
33.	पशु शल्य चिकित्सा	245	199	22 (11.06)
34.	जलजीव पालन	560	421	47 (11.16)
35.	मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन	306	234	48 (20.51)
36.	मत्स्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी	198	151	27 (17.88)
37.	मत्स्य पोषण	38	26	12 (46.15)
38.	मत्स्य स्वास्थ्य	76	61	34 (55.74)
39.	मत्स्य अनुवांशिकी एवं प्रजनन	37	30	11 (36.67)
40.	कृषि रसायन	71	49	9 (18.37)
41.	कृषि मौसम विज्ञान	287	223	67 (30.04)
42.	कृषि वानिकी	727	569	205 (36.03)
43.	सस्य विज्ञान	2998	2271	241 (10.61)
44.	पर्यावरणीय विज्ञान	1317	1041	219 (21.04)
45.	मृदा विज्ञान	1998	1497	310 (20.71)
46.	कृषि व्यापार प्रबंधन	503	360	1 (0.28)
47.	कृषि आर्थिकी	1170	848	28 (3.30)
48.	कृषि विस्तार	1731	1261	138 (10.94)
49.	कृषि सांख्यिकी एवं सूचना विज्ञान	586	462	62 (13.42)
50.	गृह–विज्ञान	480	358	21 (5.87)
51.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	549	439	13 (2.96)
52.	कम्प्यूटर अनुप्रयोग और सूचना प्रौद्योगिकी	642	463	10 (2.16)
53.	भूमि एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी	741	551	71 (12.89)
54.	जैव सूचना विज्ञान (Bioinformatics)	410	301	1 (0.33)
55.	खाद्य प्रौद्योगिकी	1734	1255	14 (1.12)
56.	कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन	568	441	84 (19.05)
57.	पशु शरीर रचना विज्ञान	62	51	18 (35.29)
कुल		**41778**	**31233**	**4135 (13.24)**

कृषि अनुसंधान सेवा 2017 परीक्षा में विषयवस्तुवार उम्मीदवारों का विवरण

क्र.सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	आवेदकों की संख्या	प्रारंभिक परीक्षा में उपस्थित	मुख्य परीक्षा में अर्हता प्राप्त	मुख्य परीक्षा में उपस्थित
1.	कृषि जैवप्रौद्योगिकी	4830	3311	91	83
2.	कृषि कीट विज्ञान	1022	779	16	15
3.	कृषि सूक्ष्मजैविकी	2677	1989	90	81
4.	अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	2393	1880	275	254
5.	पादप जैवरसायनिकी	772	545	107	94
6.	पादप रोग निदान	1811	1365	123	112
7.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	1212	859	45	41
8.	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	299	210	31	26
9.	पशु जैवप्रौद्योगिकी	487	328	32	31
10.	पशु अनुवांशिकी एवं प्रजनन	229	165	60	53
11.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	260	187	30	26
12.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	294	216	58	53
13.	पशु चिकित्सा औषधि	161	131	15	13
14.	पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान	118	85	15	13
15.	पशु चिकित्सा जनस्वास्थ	137	105	15	12
16.	मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन	380	279	54	47
17.	कृषि रसायन	97	62	24	21
18.	कृषि मौसम विज्ञान	151	125	15	12
19.	कृषि वानिकी	562	438	61	54
20.	सस्य विज्ञान	1994	1605	120	109
21.	मृदा विज्ञान	1437	1150	151	129
22.	कृषि आर्थिकी	1093	840	243	208
23.	कृषि विस्तार	1124	906	90	83
24.	कृषि सांख्यिकी	530	378	68	62
25.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	475	348	86	78
26.	कम्प्यूटर अनुप्रयोग और सूचना प्रौद्योगिकी	1633	1064	297	271
27.	भूमि एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी	759	603	121	109
28.	जैव सूचना विज्ञान (Bioinformatics)	604	460	41	41
29.	कृषि संरचनाएं एवं पर्यावरणीय प्रबंधन	716	593	181	162
कुल		**28257**	**21006**	**2555**	**2293**

वर्ष 2018-19 के दौरान भा.कृ.अनु.प के संशोधित कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (सीएएस) के अंतर्गत मूल्यांकन के मामले

क्र.सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	साक्षात्कार की तिथि	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवार
1.	मृदा एवं जल प्रबंधन अभियांत्रिकी	20-08-2018	01
2.	कृषि जैवप्रौद्योगिकी	20-08-2018	01
3.	पादप जैवप्रौद्योगिकी	20-08-2018	03
4.	कृषि रसायन	24-08-2018	01
5.	तकनीकी वस्त्र	24-08-2018	01
6.	पशु चिकित्सा जनस्वास्थ	27-08-2018	01
7.	पशु शरीर क्रिया विज्ञान	27-08-2018	01
8.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	30-08-2018	01
9.	मत्स्य पोषण	30-08-2018	02
10.	आर्थिक वनस्पति विज्ञान	31-08-2018	02
11.	कृषि जैव सूचना विज्ञान	31-08-2018	02
12.	मृदा भौतिकी एवं मृदा जल संरक्षण	05-09-2018	01
13.	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	05-09-2018	01
14.	भौतिक विज्ञान	07-09-2018	01
15.	कृषि भौतिकी	07-09-2018	01
16.	अनुवांशिकी एवं साइटोजेनेटिक/जेनेटिक्स	01-10-2018	02
17.	पशुधन उत्पादन प्रबंधन	03-10-2018	02
18.	पशु चिकित्सा सूक्ष्मजैविकी	04-10-2018	02
19.	जैव रसायन विज्ञान (पीएस)	08-10-2018	01
20.	कृषि विस्तार	16-10-2018	04
21.	बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	16-10-2018	03
22.	कृषि संरचनाएं एवं प्रसंस्करण अभियांत्रिकी	17-10-2018	02
23.	कृषि आर्थिकी	24-10-2018	03
24.	पशु चिकित्सा औशधि विज्ञान	25-10-2018	02
25.	मत्स्य पालन	29-10-2018	04
26.	मत्स्य एवं मत्स्य विज्ञान	30-10-2018	04
27.	पशु पोषण	30-10-2018	03
28.	मृदा रसायन/उर्वरता	01-11-2018	04
29.	पशु जैव रसायन विज्ञान	01-11-2018	01

क्र.सं.	विषयवस्तु क्षेत्र	साक्षात्कार की तिथि	साक्षात्कार लिए गए उम्मीदवार
30.	कार्बनिक रसायन	12-11-2018	02
31.	पादप रोग निदान	13-11-2018	05
32.	मृदा विज्ञान	13-11-2018	01
33.	पशु चिकित्सा औशधि विज्ञान	14-11-2018	01
34.	गृह विज्ञान	14-11-2018	01
35.	पशु पुनरूत्पादन एवं मादा रोग विज्ञान	15-11-2018	01
36.	फार्म मशीनरी एवं पॉवर	15-11-2018	02
37.	पशु अनुवांशिकी एवं प्रजनन	16-11-2018	08
38.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान	28-11-2018	03
39.	पादप प्रजनन जेनेटिक एवं पादप प्रजनन	28-11-2018	07
40.	सस्य विज्ञान	09-10-2018/14-11-2018	07
41.	बागवानी	01-12-2018	07
	कुल		**102**

संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार तकनीकी पदों के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2018-19) का गठन किया गया

क्र.सं.	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
1.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, नागपुर	01
2.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक	01
3.	भा.कृ.अनु.प.–मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़	01
4.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
5.	भा.कृ.अनु.प.–तोरिया एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर	01
6.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	02
7.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय बीज अनुसंधान संस्थान, मऊ	01
8.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी	01
9.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर	02
10.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	01
11.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल	05
12.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय समेकित कीट प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली	01
13.	भा.कृ.अनु.प.–गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर	02
14.	भा.कृ.अनु.प.–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अलमोड़ा	03
15.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, बीकानेर	02
16.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ	01
17.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय वृक्षारोपण फसल अनुसंधान संस्थान, कासरगोड	01
18.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	02
19.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कन्द फसल अनुसंधान संस्थान, त्रिवेन्द्रम	01
20.	भा.कृ.अनु.प.–काजू अनुसंधान निदेशालय, पुत्तूर	01
21.	भा.कृ.अनु.प.–औषधीय एवं सुगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आनन्द	02
22.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय तेलताड़ अनुसंधान संस्थान, पेडावेगी, पश्चिम गोदावरी	01
23.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	01
24.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र, त्रिची	02
25.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय नींबू वर्गीय फल अनुसंधान संस्थान, नागपुर	02
26.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र, पूणे	03
27.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय ऑर्किड अनुसंधान केन्द्र, पेकयांग, सिक्किम	02
28.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर	02
29.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी	02
30.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	01
31.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01

क्र.सं.	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
32.	भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार विज्ञान अनुसंधान निदेशालय, जोधपुर	04
33.	भा.कृ.अनु.प.–पूर्वी क्षेत्र के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान परिसर, पटना	01
34.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ऑल्ड गोवा, गोवा	01
35.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम	03
36.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल	04
37.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो, नागपुर	01
38.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कपास तकनीकी अनुसंधान संस्थान, मुम्बई	02
39.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	02
40.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय फसल अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान, लुधियाना	02
41.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय प्राकृतिक रेजिन एवं गोंद संस्थान, रांची	02
42.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पटसन एवं सम्बद्ध रेशा प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, कोलकाता	04
43.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषिरत में महिला संस्थान, भुवनेश्वर	03
44.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	02
45.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि अकादमी प्रबंधन एवं अनुसंधान, हैदराबाद	02
46.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर	02
47.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय पशु अनुसंधान संस्थान, मेरठ, उत्तर प्रदेश	01
48.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मेरठ, मखदूम	01
49.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर, राजस्थान	02
50.	भा.कृ.अनु.प.–मुर्गीपालन अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद	03
51.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पशु आनुवांशिकी संसाधन ब्यूरो, करनाल	03
52.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	01
53.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र, हिसार	02
54.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय अंतःस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	01
55.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय खारा जल जीवपालन संस्थान, चेन्नई	01
56.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचीन	02
57.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मीठा जल जीवपालन संस्थान, भुवनेश्वर	01
58.	भा.कृ.अनु.प.– केन्द्रीय समुद्री मत्स्य पालन अनुसंधान संस्थान, कोची	01
59.	भा.कृ.अनु.प.–शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान निदेशालय, भीमताल, नैनीताल	03
60.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ	02
61.	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, जोन–III, कानपुर	01
62.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् मुख्यालय, नई दिल्ली	04
	कुल	**114**

संस्थानों की सूची जिनमें कृ.वै.च.मं. द्वारा नियमानुसार कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों के कैरियर एडवांसमेंट के लिए विभागीय पदोन्नती समितियों (2018-19) का गठन किया गया

क्र.सं.	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
1.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, नागपुर	01
2.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय पटसन एवं सम्बद्ध रेशा प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	01
3.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान, राजामुन्द्री	01
4.	भा.कृ.अनु.प.–मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़	01
5.	भा.कृ.अनु.प.–तोरिया एवं सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर	01
6.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	01
7.	भा.कृ.अनु.प.– भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, मऊ	02
8.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर	01
9.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी	01
10.	भा.कृ.अनु.प.– भारतीय जैव तकनीकी संस्थान, रांची	01
11.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर	01
12.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	01
13.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल	01
14.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि महत्वपूर्ण सूक्ष्मजीव ब्यूरो, मऊ, उत्तर प्रदेश	01
15.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली	01
16.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, रायपुर	01
17.	भा.कृ.अनु.प.–गन्ना प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर	01
18.	भा.कृ.अनु.प.–विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अलमोड़ा	01
19.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	01
20.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शीतोष्ण बागवानी संस्थान, श्रीनगर	03
21.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय द्वीपीय अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लैयर	01
22.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय रोपण फसलें अनुसंधान संस्थान, कासरगोड	01
23.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला	01
24.	भा.कृ.अनु.प.–पुष्प खेती अनुसंधान निदेशालय, पूणे, महाराष्ट्र	01
25.	भा.कृ.अनु.प.–औषधीय एवं सुगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आनन्द	01
26.	भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसून अनुसंधान निदेशालय, पूणे	01
27.	भा.कृ.अनु.प.–ताड़ का तेल अनुसंधान संस्थान, पेडावेगी, पश्चिम गोदावरी	01
28.	भा.कृ.अनु.प.–मसालें अनुसंधान संस्थान, कालीकट	01
29.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी	03
30.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय केला अनुसंधान केन्द्र, त्रिची	02
31.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र, पूणे	01
32.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुजफ्फरपुर	01
33.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र, सोलापुर	02
34.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर	02

क्र.सं.	संस्थान का नाम	समितियों की संख्या
35.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी	02
36.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	01
37.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय बरानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद	03
38.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून	01
39.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल	01
40.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय जल प्रबंध संस्थान, भुवनेश्वर	01
41.	भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार विज्ञान अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर	01
42.	भा.कृ.अनु.प.–पूर्वी क्षेत्र के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान परिसर, पटना	01
43.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ऑल्ड गोवा, गोवा	01
44.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, मालेगांव, महाराष्ट्र	01
45.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल	01
46.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय फसल अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान, लुधियाना	02
47.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, रांची	02
48.	भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	01
49.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद	01
50.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार	01
51.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम	01
52.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर, राजस्थान	01
53.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल	01
54.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय पशु पोषण एवं कायिकी विज्ञान संस्थान, बैंगलोर	01
55.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल	02
56.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र, हिसार	01
57.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय ऊँट अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर	01
58.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मांस अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद	01
59.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय सूअर अनुसंधान केन्द्र, गुवाहाटी	01
60.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय अंतर्देशीय मत्स्य पालन अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर	03
61.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय खारा जल जीवपालन संस्थान, चेन्नई	02
62.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुम्बई	01
63.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचीन	01
64.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मीठा जल जीवपालन संस्थान, भुवनेश्वर	01
65.	भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोची	01
66.	भा.कृ.अनु.प.–शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान निदेशालय, भीमताल, नैनीताल	01
67.	भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, लखनऊ	01
68.	भा.कृ.अनु.प.–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संसथान, जोन–I, लुधियाना	01
69.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्यालय, नई दिल्ली	01
	कुल	**86**

वर्ष 2018-19 के दौरान मंडल में स्वीकृत पदों की संख्या

क्र.सं.	पद	स्वीकृति	31.3.2019 की स्थिति के अनुसार	रिक्त
1.	अध्यक्ष	1	1	-
2.	सदस्य	3	1	2
3.	सचिव (संयुक्त सचिव स्तर)	1	1**	1
4.	वरिष्ठ विशेषज्ञ (आईटी) प्रधान वैज्ञानिक स्तर	1	-	1
5.	परीक्षा नियंत्रक (निदेशक स्तर)	1	1***	1
6.	उपसचिव/उपनिदेशक वित्त	5	1*	4
7.	अवर सचिव	5	1*	4
8.	सहायक निदेशक (राजभाषा)	1	-	1
9.	वित्त एवं लेखा अधिकारी	2	1+	2
10.	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (टी 6) आईटी	3	1++	3
11.	अनुभाग अधिकारी	11	6*	5
12.	प्रधान निजी सचिव	4	2*	2
13.	निजी सचिव	6	1*	5
14.	सहायक	30	13*	17
15.	निजी सहायक	4	1*	3
16.	आशुलिपिक	4	0	4
17.	हिन्दी अनुवादक	2	0	2
	अतिरिक्त			
18.	मुख्य तकनीकी अधिकारी–टी–9 (कृषि विज्ञान)	-	1	अतिरिक्त
19.	उच्च श्रेणी लिपिक	-	5	अतिरिक्त
20.	वाहन चालक	-	1	अतिरिक्त
21.	चपरासी	-	2	अतिरिक्त
	कुल	**84**	**40**	**57**

*प्रतिनियुक्ति पर
**निदेशक प्रतिनियुक्ति पर
***उप सचिव प्रतिनियुक्ति पर
+सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर
++वरिष्ठ तकनीकी सहायक (आईटी) प्रतिनियुक्ति पर

कार्मिक (नियुक्तियां, पदोन्नतियां, स्थानांतरण, सेवानिवृत्तियां आदि)

नियुक्तियां/पदभार ग्रहण

- श्री उपेन्द्र मेहता, अनुभाग अधिकारी ने 2 जुलाई 2018 को भा.कृ.अ.प. मुख्यालय से पदोन्नत होकर कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में कार्यभार ग्रहण किया।
- प्रो. ए. के. मिश्रा ने 18 मार्च 2019 को अध्यक्ष, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल के अध्यक्ष के पद का कार्यभार संभालने के पूर्व प्रो. ए. के. मिश्रा, महाराष्ट्र पशु एवं मात्स्यिकी विज्ञान विश्वविद्यालय (एमएएफएसयू), नागपुर के कुलपति; गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीबीपीयूएटी), पंतनगर के कुलपति; बागवानी एवं कृषि वानिकी उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, भरसार, पौड़ी गढ़वाल के वीसीएसजी (अतिरिक्त प्रभार); भा.कृ.अ.प.–गोपशु परियोजना निदेशालय, मेरठ के परियोजना निदेशक; गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन महाविद्यालय के जननरोग एवं मादारोग विभाग के प्राध्यापक एवं अध्यक्ष; और राष्ट्रीय डेरी विकास मंडल, आनंद द्वारा प्रबंधित इकाई, साबरमती आश्रम गौशाला (एसएजी) के महा प्रबंधक (सीईओ) थे।

  उन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा द्विवार्षिकी 2005–06 के लिए रफी अहमद किदवई पुरस्कार; राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी द्वारा जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार 2017; लोकमत राष्ट्रीय शिक्षा नेतृत्व पुरस्कार–2014; सीआर साने ओरेशन पुरस्कार–2010 (आईएसएसएआर); प्रो. निल्स लागेर्ल ऑफ स्मारक पुरस्कार 1993; सीआर साने ओरेशन पुरस्कार–2015 (बीबीसी); डेरी पोषण में सीएलएफएमए उपलब्धि पुरस्कार–2016; नकुल पुरस्कार–2013; हरिओम आश्रम प्रेरित श्री भाइकाक अंतर–विश्वविद्यालय स्मारक ट्रस्ट पुरस्कार 2006–07; कामनवेल्थ ब्यूरो ऑफ एनिमल हैल्थ प्राइज़–1980; और जवाहर लाल नेहरू निधि पुरस्कार–1980 से सम्मानित किया जा चुका है।

  उन्हें राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी–2015, राष्ट्रीय पशुचिकित्सा विज्ञान अकादमी–1999, पशु जनन के अध्ययन के लिए भारतीय सोसायटी का वर्ष 2014–16 की अवधि के लिए अध्येतावृत्तियां भी प्राप्त हुई हैं। उन्होंने अनेक देशों का दौरा किया है जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, इटली, द नीदरलैंड्स, डेनमार्क, ब्राजील, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, फ्रांस, चीन, इंडोनेशिया, श्रीलंका व अफगानिस्तान शामिल हैं। इन देशों में वे अतिथि प्राध्यापक/आमंत्रित/प्रायोजित वक्ता/सत्र के अध्यक्ष के रूप में या अन्य व्यावसायिक कार्य के लिए आमंत्रित किए गए थे।

  खिलाड़ी के रूप में उन्होंने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर (उत्तर प्रदेश) की क्रिकेट तथा हॉकी टीमों का प्रतिनिधित्व किया है तथा ये पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, मथुरा की हॉकी टीम के कप्तान भी रहे हैं।

- श्री राजेन्द्र कुमार, उप सचिव ने राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल से स्थानांतरित होकर 15 मार्च 2019 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल में कार्यभार ग्रहण किया।

पदोन्नति/स्थानांतरण

- श्री रवि के. डोबरियाल, अनुभाग अधिकारी 15 जून 2018 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से अवर सचिव के रूप में पदोन्नत होकर कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय में स्थानांतरित हुए।

- श्री राजेश कुमार सरोया, सहायक 29 जून 2018 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से अनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नत होकर कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय में स्थानांतरित हुए।
- श्री जितेन्द्र कुमार, सहायक 2 जुलाई 2018 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से अनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नत होकर भा.कृ.अ.प. मुख्यालय में स्थानांतरित हुए।
- श्रीमती सरिता शर्मा, सहायक 28 अगस्त 2018 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से अनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नत होकर भा.कृ.अ.प. मुख्यालय में स्थानांतरित हुईं।
- श्री नरेन्द्र कुमार 2018 को कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल से सहायक के रूप में पदोन्नत होकर भा.कृ.अ.प. मुख्यालय में स्थानांतरित हुए।

सेवानिवृत्ति

- श्री एस.पी. सनवाल, परीक्षा नियंत्रक, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल 30 अप्रैल 2018 को सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्री एस.पी. सनवाल का सम्मान

- श्रीमती रीता घोषाल, अवर सचिव, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल 30 अप्रैल 2018 को सेवानिवृत्त हुईं

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्रीमती रीता घोषाल का सम्मान

- श्री के.एन. चौधरी, उप सचिव, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल 31 जुलाई 2018 को सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्री के.एन. चौधरी का सम्मान

- श्री दया राम शुक्ला, एमटीएस, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल 31 अगस्त 2018 को सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्री दयाराम शुक्ला का सम्मान

- श्री पी.आर. राव, उप निदेशक (राजभाषा), कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल 30 सितम्बर 2018 को सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्री पी.आर. राव का सम्मान

- श्री राजीव मंगोत्रा, उप सचिव, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल 31 जनवरी 2019 को सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्त होने पर मंडल द्वारा श्री राजीव मंगोत्रा का सम्मान

दिनांक 31-03-2019 के अनुसार मंडल में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नाम	पदनाम
1.	प्रो. ए. के. मिश्रा	अध्यक्ष
2.	प्रो.(डॉ) ए.के. श्रीवास्तव	सदस्य
3.	श्री जे. रवि	सचिव
4.	श्री वेद प्रकाश	परीक्षा नियंत्रक
5.	श्री राजेन्द्र कुमार	उपसचिव (भर्ती)
6.	डा. सुरेश पाल	मुख्य तकनीकी अधिकारी
7.	श्री अजय गौतम	अवर सचिव
8.	श्री मुकेश कुमार	प्रधान निजी सचिव
9.	श्रीमती सीमा बम्मी	प्रधान निजी सचिव
10.	श्री विकास जैन	अनुभाग अधिकारी
11.	श्री आशीष वर्मा	अनुभाग अधिकारी
12.	श्री लाल सिंह रावत	अनुभाग अधिकारी
13.	श्री दौलत राम	अनुभाग अधिकारी
14.	श्री अनुराग अरोड़ा	अनुभाग अधिकारी
15.	श्री उपेन्द्र मेहता	अनुभाग अधिकारी
16.	श्री आर. पी. यादव	सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी
17.	श्रीमती नीरू खन्ना	निजी सचिव
कर्मचारीगण		
18.	श्री सतीश पाल सिंह	सहायक
19.	श्री भरत लाल मीना	सहायक
20.	श्री विनोद कुमार	सहायक
21.	श्री रूआल मुअन थंग थोम्ते	सहायक
22.	श्री सुख पाल सिंह	सहायक
23.	श्रीमती ऊषा भटोया	सहायक
24.	श्रीमती सुषमा सेठ	सहायक
25.	श्री प्रदीप डागर	सहायक
26.	श्री विक्रम गोयत	सहायक

क्र.सं.	अधिकारियों एवं कर्मचारियों के नाम	पदनाम
27.	श्री दीपेश अग्रवाल	सहायक
28.	श्री ललित कुमार पाल	सहायक
29.	श्री हिमांशु कुमार गौतम	सहायक
30.	श्री एस.एस. डोगरा	सहायक
31.	श्रीमती ऊषा नायर	निजी सहायक
32.	श्री रवि भूषण तिवारी	वरिष्ठ तकनीकी सहायक
33.	श्री रोशन सिंह रावत	उच्च श्रेणी लिपिक
34.	श्री रविन्द्र सिंह रावत	उच्च श्रेणी लिपिक
35.	श्री राकेश कुमार शर्मा	उच्च श्रेणी लिपिक
36.	श्री धीरज सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक
37.	श्री महादेव पाल	उच्च श्रेणी लिपिक
38.	श्री सुरिन्द्र कुमार	वाहन चालक
39.	श्री सुरेश कुमार	कुशल सहायक कर्मचारी
40.	श्री शिव प्रसाद	कुशल सहायक कर्मचारी

स्वच्छता अभियान